NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

बिजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 309 लखनऊ, बुधवार 26 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

उम्रकैद, 1 करोड़ का जुर्माना... पेपर लीक के खिलाफ अध्यादेश लेकर आई योगी सरकार, कैबिनेट ने दी मंजूरी

संवाददाता।

लखनऊ कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 की शुरूआत भी शामिल थी, जो लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कानून लागू करने के वादे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक कड़े नए कानून को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को एक कैबिनेट बैठक के दौरान, राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 पेश करने का

प्रस्ताव पारित किया। इस अध्यादेश का उद्देश्य परीक्षा पत्र लीक करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए गंभीर दंड लागू करना है। इस नए कानून के तहत न्यूनतम दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, अपराधियों को 1 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना भी भरना पड़ेगा।कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 की शुरूआत भी शामिल थी, जो लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कानून लागू करने के वादे को दर्शाता है। राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कई अनियमितताएं देखी गई हैं, विशेष रूप से कांस्टेबल भर्ती और समीक्षा अधिकारीध्सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओध्एआरओ) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने का मामला शामिल है।इन घटनाओं ने न सिर्फ पूरे सिस्टम की ईमानदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत भी बेकार कर दी है। परिणामस्वरूप इन परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए जिम्मेदार संस्थान भी जांच के दायरे में आ गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक के मामले को काफी गंभीरता से लेते हुए फुलप्रूफ परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था और कानून बनाने का निर्देश दिया है। एक महत्वपूर्ण भर्ती अभियान में, रिजर्व सिविल पुलिस में 60,244 पदों को भरने के लिए 4.8 मिलियन से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए। हालाँकि, 18 और 19 फरवरी को आयोजित लिखित परीक्षा में समझौता हो गया, जिसके कारण लोकसभा चुनाव से पहले 24 फरवरी को इसे रद्द कर दिया गया।

2735 कृषि फीडर के जरिए किसानों को 10 घंटे मुफ्त बिजली दे रही योगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ मार्च में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुई कैबिनेट मीटिंग में ट्यूबवेल से सिंचाई व कृषि कार्यों के लिए मुफ्त बिजली के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। वहीं बजट में भी योगी सरकार की ओर से मुफ्त सिंचाई के लिए 1100 करोड़ रुपये बजट की व्यवस्था की गई थी। लखनऊ। अन्नदाता किसान सीएम योगी की प्राथमिकता में हैं। किसानों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन व उन्हें लागू करने पर उनका विशेष जोर रहता है। मार्च में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुई कैबिनेट मीटिंग में ट्यूबवेल से सिंचाई व कृषि कार्यों के लिए मुफ्त बिजली के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। वहीं बजट में भी योगी सरकार की ओर से मुफ्त सिंचाई के लिए 1100 करोड़ रुपये बजट की व्यवस्था की गई थी। इसे देखते हुए अप्रैल से किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा मिलने लगी है। योगी सरकार की ओर से कृषि कार्यों के लिए 2735 फीडर से 10 घंटे निःशुल्क बिजली दी जा रही है। जल्द ही कृषि फीडरों की संख्या 5 हजार से पार पहुंच जाएगी। गौरतलब है कि 14.21 लाख ट्यूबवेल धारक किसानों को फ्री बिजली दी जाती है। 5433 से अधिक फीडरों को कृषि कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाना प्रस्तावित उत्तर प्रदेश में कुल 23226 विद्युत फीडर हैं। इसमें से 5433 से अधिक फीडर को कृषि कार्यों के लिए पृथक किया जाना प्रस्वावित है।

इसमें से 2735 फीडर ऐसे हैं, जिन्हें कृषि कार्यों के लिए अलग किया जा चुका है और इनके माध्यम से सिंचाई व अन्य कृषि कार्यों के लिए किसानों को 10 घंटे निशुल्क विद्युत आपूर्ति दी जा रही है। शेष 20491 फीडरों को बिना अलग किए फीडरों से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है। 24 घंटे यूपी के ग्रामीण–शहरी क्षेत्रों में दी जा रही बिजली भीषण गर्मी में भी यूपी में 24 घंटे ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई। सभी 75 जनपदों में समान रूप से बिजली देकर नागरिकों को सुविधाओं से पूर्ण रखा गया। वहीं आमजन को बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने के अतिरिक्त कृषि कार्यों के लिए किसानों को भी योगी सरकार की तरफ से 10 घंटे बिजली दी जा रही है।

दरवाजे खुले हैं, भतीजे अजित के खेमे के विधायकों को वापस लेने पर बोले शरद पवार

एजेंसी

महाराष्ट्र। मीडिया से बात करते हुए एनसीपी के दिग्गज नेता ने कहा कि जो विधायक संगठन को मजबूत करने में मदद करेंगे या पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, उन्हें लिया जाएगा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)–सपा प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी के दरवाजे उन विधायकों के लिए खुले हैं, जो भतीजे अजीत पवार के खेमे में चले गए, जिससे पार्टी में विभाजन हुआ। मीडिया से बात करते हुए एनसीपी के दिग्गज नेता ने कहा कि जो विधायक संगठन को मजबूत करने में मदद करेंगे या पार्टी की छवि को नुकसान नहीं

पहुंचाएंगे, उन्हें लिया जाएगा। पवार ने कहा कि जो लोग पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। लेकिन उन नेताओं को लिया जाएगा जो संगठन को मजबूत करने में मदद करेंगे और पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

उन्होंने कहा कि हालांकि, यह भी पार्टी (एनसीपी–एसपी) नेताओं और कार्यकर्ताओं से बात करने के बाद ही होगा। शरद पवार ने स्पष्ट किया कि उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का राकांपा में वापस स्वागत नहीं किया जाएगा। अजीत का गुट वर्तमान में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के साथ जुड़ा हुआ है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना शामिल है। जुलाई 2023 में एनसीपी विभाजित हो गई जब अजित पवार और कई विधायक भाजपा–शिवसेना सरकार में शामिल हो गए। फरवरी में, भारत के चुनाव आयोग ने अजीत पवार के गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता दी और इसे प्रतिष्ठित घड़ी प्रतीक आवंटित किया। 2024 के आम चुनावों में अजीत पवार के गुट के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद शरद पवार के खेमे में संभावित वापसी की अटकलें तेज हो गई हैं। अजित पवार की राकांपा ने महाराष्ट्र में लड़ी गई चार सीटों में से केवल एक सीट हासिल की, जबकि शरद पवार की राकांपा ने दस सीटों पर लड़ी गई सीटों में से आठ पर जीत हासिल की।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में अलग केंद्र शासित प्रदेश की मांग तेज, हजारों लोगों ने सड़कों पर उतर किया प्रदर्शन

एजेंसी।

मणिपुर आदिवासी समूह ने एक ज्ञापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजनीतिक समाधान के लिए उनकी मांगों को शीघ्र पूरा करने के लिए भी कहा। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर नो पॉलिटिकल सॉल्यूशन, नो पीस, कुकी–जो लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश, मीतेईस के साथ जबरन गठबंधन टिकेगा नहीं, और हम अनुच्छेद 239ए के तहत यूटी चाहते हैं जैसे कई नारे लिखे हुए थे। सैकड़ों आदिवासी कुकी–जो लोग समुदाय के लिए एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) और राज्य के भीतर चल रहे जातीय संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक समाधान की मांग को लेकर मणिपुर के पहाड़ी जिलों में सड़कों पर उतर आए। विरोध का नेतृत्व इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 239ए के तहत विधायिका के साथ यूटी का गठन संघर्ष का समाधान हो सकता है। प्रदर्शनकारियों ने चल रहे संघर्ष को रोकने के लिए केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 221 लोगों की मौत हो गई और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। आदिवासी समूह ने एक ज्ञापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजनीतिक समाधान के लिए उनकी मांगों को शीघ्र पूरा करने के लिए भी कहा। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर नो पॉलिटिकल सॉल्यूशन, नो पीस, कुकी–जो लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश, मीतेईस के साथ जबरन गठबंधन टिकेगा नहीं, और हम अनुच्छेद 239ए के तहत यूटी चाहते हैं जैसे कई नारे लिखे हुए थे। इसी तरह की रैलियां उसी दिन कांगपोकपी, तेंगनौपाल और फिरजॉल जिलों में भी आयोजित की गईं।

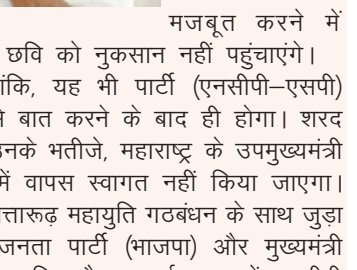

हाथ में संविधान की कापी के साथ राहुल–अखिलेश ने ली शपथ, स्पीकर पर नहीं बनी सहमति

संवाददाता।

लखनऊ मंगलवार को कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया और सदस्यों को शपथ दिलाई। महाराष्ट्र के लगभग सभी नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों ने मराठी में शपथ ली। कुछ ने हिंदी और अंग्रेजी में भी शपथ ली। लोकसभा अध्यक्ष के लिए विपक्ष की ओर से चुने गए कोडिकुन्निल सुरेश इस पद की लड़ाई में भाजपा के ओम बिड़ला से भिड़ेंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के बीच पद पर सहमति नहीं बन पाने के बाद दशकों में ऐसा पहली बार हो रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को होगा। 27 जून को राष्ट्रपति मुर्मू संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले हैं। इस बीच, संसद के निचले सदन के पहले सत्र के दूसरे दिन, 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण आज फिर से शुरू हुआ। 543 सदस्यीय लोकसभा में 293 सांसदों वाले एनडीए को स्पष्ट बहुमत प्राप्त है। विपक्ष के साथ 234 सांसद हैं। अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम–सहमति नहीं बन सकी और अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमशरू राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में उतरने के लिए विपक्ष ने अंतिम समय में तब फैसला लिया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी इस पूर्व शर्त को नहीं माना कि राजग के उम्मीदवार बिरला का समर्थन करने के ऐवज में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को उपाध्यक्ष पद दिया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद भवन स्थित कार्यालय में विपक्ष की ओर से कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और द्रमुक के टी आर बालू ने सिंह, गृह मंत्री अमित शाह तथा स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से इस मुद्दे पर आम–सहमति बनाने के उद्देश्य से बातचीत की लेकिन दोनों पक्ष अपने रुख पर अड़े रहे और कोई नतीजा नहीं निकला। सपा सांसदों ने ली शपथसमाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कन्नौज से निचले सदन के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। शपथ लेते समय उन्होंने अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। अखिलेश यादव के अलावा उनकी पत्नी और मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने शपथ ली। उनके साथ ही मुजफ्फरनगर से सपा सांसद महेंद्र मलिक, कैराना से पार्टी सांसद इकरा चौधरी, फिरोजाबाद से पार्टी के लोकसभा सदस्य अक्षय यादव, बदायूं से सांसद आदित्य यादव और सपा के कई अन्य सांसदों ने शपथ ली।

उत्तर प्रदेश के नगीना से निर्वाचित आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेता चंद्रशेखर ने भी लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली।हाथ में संविधान की प्रति लेकर राहुल ने ली शपथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। राहुल गांधी ने अंग्रेजी में शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने 'जय हिंद, जय संविधान' का नारा भी लगाया। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शपथ के लिए जब राहुल गांधी का नाम पुकारा गया तो कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाने लगे।यूबीटी के सांसद ने शपथ में लिया बाल ठाकरे का नाममहाराष्ट्र के हिंगोली से निर्वाचित शिवसेना (यूबीटी) के सांसद नागेश बापूराव पाटिल आष्टिकर ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते हुए ''हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब जी ठाकरे'' का उल्लेख किया जिस पर कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब ने उन्हें रोका और कहा कि वह मराठी में निर्धारित प्रारूप में लिखित शपथ पत्र को ही पढ़ें। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन जब शपथ लेने के लिए आष्टिकर का नाम पुकारा गया तो उन्होंने पोडियम पर पहुंचकर अपना नाम लेने के बाद ''हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब जी ठाकरे'' का उल्लेख करते हुए शपथ पढ़नी शुरू की। शपथ के दौरान ओवैसी ने लगाया नाराएआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को सांसद पद की शपथ ली। हालाँकि, उन्होंने फिलिस्तीन समर्थक नारे लगाने पर एक विवाद का हवाला दिया। हालांकि, बीजेपी की शोभा करंदलाजे की आपत्ति के बाद पीठासीन अधिकारी राधामोहन सिंह ने इसे रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया। मंगलवार को लोकसभा में सांसद पद की शपथ के दौरान औवैसी ने फिलिस्तीन के समर्थन में जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। हैदराबाद से सांसद औवैसी द्वारा जय फिलिस्तीन का नारा लगाने के बाद संसद और बाहर हंगामा मच गया है।

दिल्ली एलजी वीके सक्सेना ने गैरकानूनी ढंग से कटवा डाले 1100 पेड़, आप ने प्रेस कान्फ्रेंस कर लगाया नया आरोप

एजेंसी।

नई दिल्ली डीडीए की ईमेल से साफ है कि इन पेड़ों को काटने की इजाजत थी। डीडीए के अधिकारियों को मालूम था कि इन 1100 पेड़ों को काटने की इजाजत इनके पास नहीं है। इसको लेकर कोर्ट में झूठ बोला गया। रिज क्षेत्र में उसकी अनुमति के बिना पेड़ों की कटाई पर चिंता व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डीडीए से पूछा कि यह कैसे किया गया और यह जवाब दें कि क्या दिल्ली के एलजी इसके अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने इसे मंजूरी दी थी। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने डीडीए के कार्यकारी अभियंता सहित चार वरिष्ठ अधिकारियों को अवमानना घ्घ्नोटिस जारी करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि पेड़ों की कटाई के लिए पूरा दोष अधिकारियों पर मढ़ा जा रहा है। आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि शहर के दक्षिणी रिज क्षेत्र में 1,100 पेड़ों की कटाई में उनकी भूमिका थी। डीडीए की ईमेल से साफ है कि इन पेड़ों को काटने की इजाजत थी। डीडीए के अधिकारियों को मालूम था कि इन 1100 पेड़ों को काटने की इजाजत इनके पास नहीं है। इसको लेकर कोर्ट में झूठ बोला गया। इस झूठ का खुलासा भी डीडीए के एक अधिकारी के ईमेल में होता है। इस ईमेल में लिखा हुआ है कि एलजी साहब वहां गये थे। डीडीए की ईमेल से साफ है कि इन पेड़ों को काटने की इजाजत एलजी साहब की तरफ थी। डीडीए के अधिकारियों को भी मालूम था कि इन 1100 पेड़ों को काटने की इजाजत जिम्मेदार संस्था से नहीं ली गई। लेकिन इसके बावजूद पेड़ काट दिए गए। इसको लेकर भी कल कोर्ट में झूठ बोला गया। सुप्रीम कोर्ट ने कल दिल्ली के अंदर 1100 पेड़ों को गैरकानूनी तरीके से काटने के मामले की सुनवाई ब्वदजमउचज के अंदर की। इन पेड़ों को पहले ही काटा गया था लेकिन अब ये लोग कोर्ट के अंदर इजाजत लेने पहुंच गये और यहां ये लोग पकड़े गये। इसमें डीडीए फँस गया। मैं सभी अखघ्बार के साथियों से कहना चाहता हूँ कि अगर दिल्ली में क्तंपद बन रही हो और पेड़ की जड़ दिख जाए तो आधे च्हम की खघ्बर छपती है। लेकिन दिल्ली में 1100 पेड़ कट गये और आधी अधूरी खघ्बर छपती है। आप दोस्ती निभाइए लेकिन दिल्ली के लोगों को बात तो करिए, 1100 पेड़ कटे हैं।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को आधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणाली से लैस करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के एक्सप्रेसवे मार्गों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया पर काम कर रही है। एक्सप्रेसवे को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने से यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में इजाफा हो रहा है वहीं प्रदेश में लॉजिस्टिक्स संबंधी आवागमन को भी सुरक्षित निगरानी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में सुधार हुआ है।लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के एक्सप्रेसवे मार्गों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया पर काम कर रही है। एक्सप्रेसवे को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने से यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में इजाफा हो रहा है वहीं प्रदेश में लॉजिस्टिक्स संबंधी आवागमन को भी सुरक्षित निगरानी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में सुधार हुआ है। इस क्रम में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी और इसे क्रियान्वित करते हुए अब बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को आधुनिक यातायरात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इस प्रक्रिया को क्रियान्वित करते हुए पात्रता के लिए अनुरोध(आरएफक्यू) व अनुरोधा प्रस्ताव (आरएफपी) के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। बयान के मुताबिक, बुंदलखंड एक्सप्रेसवे को आईटीएमएस अनुकूल बनाने के लिए जो कार्ययोजना तैयार की गई है उसके अनुसार बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रबंधन कमांड केंद्र की स्थापना होगी। इसके जरिये यातायात निगरानी व प्रबंधन प्रक्रिया को बल मिलेगा। यातायात प्रबंधन नियंत्रण (टीएमसी) यूनिट को 360 टेराबाइट रिकॉर्डिंग सर्वर स्टोरेज से युक्त किया जाएगा। बैकअप रिकॉर्डिंग के लिए भी 240 टेराबाइट की रिकॉर्डिंग स्टोरेज सर्वर युक्त होगा। टीएमसी यूनिट को फैसिलिटी मॉनिटरिंग सिस्टम कंट्रोलर, ग्राफिक डिस्पले, इंटरनेट व एसएमएस सर्वर, फाइबर चौनल होस्ट व यूएसबी जॉयस्टिक कंट्रोल्ड पीटीजेड कैमरों से युक्त किया जाएगा। इमरजेंसी टेलिफोन हेल्पलाइन कंसोल, स्टाफ के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट स्कैनर मशीन, सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस, लाइटनिंग प्रोटेक्शन यूनिट, एडवांस्ड ड्राइवर एडवायजरी सिस्टम, जीपीएस ट्रैकर समेत 890 कैमरों के संचालन के लिए वीएएमस लाइसेंस से युक्त किया जाएगा। मौजूदा

प्रक्रिया में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को एटीएमएस अनुकूल बनाने के लिए अलग–अलग 50 स्थलों पर 150 वीआईडीएस आधारित कैमरे स्थापित किए जाएंगे। यह कैमरे विशिष्ट होंगे और सौर ऊर्जा से चलने के साथ ही इनकी एक चार्ज में 96 घंटे तक की परिचालन की क्षमता होगी। योजना के अंतर्गत सीसीटीवी कंट्रोलर युक्त पीटीजेड कैमरों को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर लगाया जाएगा। बयान में कहा गया कि मोशन डिटेक्शन सर्विलांस कैमरा व व्हीकल स्पीड डिटेक्शन सिस्टम को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ लगाया जाएगा। इससे, तेज गति से चलने वाली गाड़ियों के विषय में अलर्ट जारी हो सकेगा और कंट्रोल रूम द्वारा इसे तुरंत ट्रैक किया जा सकेगा। इस क्रम में, 90 मीटर रेंज के स्पीड डिटेक्शन रडार भी प्रभावी सिद्ध होंगे जिनकी लगाने की प्रक्रिया भी साथ ही में पूर्ण की जाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को एटीएमएस युक्त बनाने के लिए यूपीडा ने पात्रता के लिए अनुरोध (आरएफक्यू) व अनुरोधा प्रस्ताव (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे हैं। इस प्रक्रिया के जरिये नियुक्त होने वाली एजेंसी द्वारा ही इन सभी कार्यों को यूपीडा के अधिकारियों की देखरेख में पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यूपीडा द्वारा पांच वर्षों की कार्यावधि के लिए कार्य आवंटित होगा और चयनित एजेंसी को इन सभी उपकरणों की खरीद, उन्हें लगाने, परिचालन व रखरखाव का काम करना होगा। इसके अतिरिक्त यूपीडा के कर्मचारियों को इसके संचालन के लिए प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रदेश में आठ आईपीएस अधिकारियों के हुए तबादले, एक साथ बदले गए सात जिलों के पुलिस कप्तान

लखनऊ

यूपी में एक साथ आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। यह सभी तबादले पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पदों पर हुए हैं। यूपी में चुनावों के बाद तबादलों का क्रम जारी है। मंगलवार को एक साथ आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए। इसमें ज्यादातर तबादले पुलिस अधीक्षकों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के तबादले हैं। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन टांडा को इसी पद पर मेरठ भेजा गया है। इसी तरह मुरादाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना को आजमगढ़ का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने मंगलवार को आठ आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया, जिनमें सात जिलों के पुलिस कप्तान शामिल हैं। बरेली में प्लॉट पर कब्जे को लेकर खुलेआम फायरिंग की घटना के बाद एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को हटा दिया गया है। उन्हें एसटीएफ का एसएसपी बनाया गया है। इसके अलावा सहारनपुर के एसएसपी विपिन टांडा को मेरठ का नया एसएसपी बनाया गया है। इसी तरह मुरादाबाद के एसएसपी हेमराज मीना को आजमगढ़ का एसपी बनाया गया है। आजमगढ़ के एसपी अनुराग आर्य को बरेली का एसएसपी बनाया गया है। मेरठ के एसएसपी रोहित सिंह सजवान को सहारनपुर का एसएसपी बनाया गया है। प्रतापगढ़ के एसपी सतपाल को मुरादाबाद का एसएसपी बनाया गया है। चंदौली के एसपी डॉ. अनिल कुमार द्वितीय को प्रतापगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। आगरा में एसपी रेलवे आदित्य लांग्हे का चंदौली का एसपी बनाया गया है।

खत्म हुआ इंतजार... यूपी में मानसून ने किया प्रवेश, कल से अच्छी बारिश के आसार

लखनऊ

आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है। मानसून ने मंगलवार को ललितपुर से यूपी में प्रवेश कर लिया है। मौसम विज्ञानियों ने अगले दो से तीन दिनों में अच्छी बारिश के आसार जताए हैं।इ आखिरकार इंतजार खत्म हो गया। यूपी में मानसून की एंट्री हो गई है। कल से प्रदेश में अच्छी बारिश के आसार हैं। अगले कुछ दिनों में मानसून पूरे प्रदेश में छा जाएगा। इसकी घोषणा मंगलवार को

मौसम विभाग ने की है।दक्षिण पश्चिम मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। इस क्रम में यह आज गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों तथा दक्षिणी पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सुदूर दक्षिण भाग में आगे बढ़ा और यूपी में ललितपुर से दाखिल हुआ। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह और मोहम्मद दानिश के मुताबिक, कल से प्रदेश में अच्छी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। मानसून के पूरे प्रदेश में फैसले से भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। प्री–मानसूनी बारिश ने दी राहत इसके पहले सोमवार को राजधानी लखनऊ समेत यूपी के ज्यादातर जिलों में प्री– मानसूनी बरसात हुई। इसके बाद मौसम खुशगवार हो गया। सोमवार को लखनऊ में 7.1 मिमी, वाराणसी में 14 मिमी से अधिक पानी बरसा। अलीगढ़ में 10.2 मिमी बरसात रिकार्ड हुई। बाराबंकी, गोरखपुर, बहराइच, फतेहगढ़, बरेली, मेरठ, आगरा समेत प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बरसात हुई। प्रदेश में 33 डिग्री तक भी पहुंचा पारा बारिश के कारण पारे पर भी असर दिखाई दिया। कहीं–कहीं तो पारा 35 डिग्री से नीचे पहुंच गया। नजीबाबाद में 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया दिन का तापमान।

महाकुंभ में होगी टेक्नोलाजी और एविडेंस बेस्ड पुलिसिंग– तरुण गाबा

पुलिस फोर्स को प्रोफेशनल सॉफ्ट स्किल की ट्रेनिंग दिलाई जाएगी– सीपी

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार को पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए। पुलिस लाइन सभागार में मीडिया कर्मियों से बातचीत में पुलिस कमिश्नर ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि कानून व्यवस्था जहां उनकी पहली प्राथमिकता में होगी। वहीं जनवरी 2025 में संगम की धरती पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को प्रभावी और कुशल ढंग से संपन्न करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होगी। पुलिस कमिश्नर के मुताबिक विश्व के सबसे बड़े धार्मिक मेले महाकुंभ में टेक्नोलॉजी और एवीडेंस बेस्ड पुलिसिंग की जाएगी। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के मुताबिक माघ मेले में आने वाली पुलिस फोर्स को प्रोफेशनल सॉफ्ट स्किल की ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा है कि शासन की भी यही प्राथमिकता है। पुलिसकर्मी महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के साथ अच्छा व्यवहार करें। उनके मुताबिक रूटीन पुलिसिंग के साथ ही विवेचना की गुणवत्ता को भी और मजबूत किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर के मुताबिक सरकार की मंशा के अनुरूप वीआईपी कल्चर को खत्म करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज में लगातार कार्रवाई की जा रही है आगे भी जहां पर शिकायत मिलेगी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब कि प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। अब तक वे यूपी में 7 जिलों के कप्तान रह चुके हैं। 3 साल राज भवन में एडीसी के पद पर और 7 साल तक सीबीआई में डिप्युटेशन पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। सीबीआई में तैनाती के दौरान तरुण गाबा ने बहुचर्चित व्यापम घोटाले की जांच अहम भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही 2 साल सचिव गृह और करीब डेढ़ साल तक लखनऊ आईजी रेंज के पद पर अपनी सेवाएं देने के बाद प्रयागराज के दूसरे पुलिस कमिश्नर के रूप में तरुण गाबा को तैनाती मिली है।

मायावती बोलीं– सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में मिले हुए हैं, ये संविधान बचाने का नाटक कर रहे हैं

लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को निशाने पर लेते हुए कहा कि दोनों ही पक्ष संविधान बचाने का नाटक कर रहे हैं। ये लोग पूंजीवादी संविधान बनाना चाहते हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में मिले हुए हैं। वो संविधान बचाने का नाटक कर रहे हैं। दोनों ही पक्षों में ज्यादातर लोग जातिवादी मानसिकता के हैं। मायावती ने कहा कि ये लोग आरक्षण को खत्म कर देना चाहते हैं। उन्होंने सपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा सरकार ने यूपी में प्रमोशन में आरक्षण को खत्म किया था। ये लोग जाति जनगणना नहीं कराना चाहते हैं। मायावती ने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ये दोनों (सत्ता पक्ष और विपक्ष) ही भारतीय संविधान के

प्रताप का दफ्तर आजादी के दिवानों की पाठशाला था– डा. धनंजय चोपड़ा

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ0 प्र0, प्रयागराज के तत्वावधान में आज गाँधी सभागार हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ०प्र०, प्रयागराज में गणेश शंकर विद्यार्थी की पत्रकारिता पर केन्द्रित 'राष्ट्रीय एकता के निर्माण में गणेश शंकर विद्यार्थी की पत्रकारिता' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंचासीन अतिथियों का स्वागत, सम्मान शाल, पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिह्न देकर एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि निर्धनों, किसानों व मजदूरों की समस्याओं को उजागर करने तथा सामाजिक जड़ताओं, अंध परंपराओं एवं कुरीतियों के विरुद्ध सामाजिक जागृति का उद्देश्य लिए पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का लेखन अपने आप में ही महान है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रो. संजय द्विवेदी पूर्व कुलपति – माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एव संचार विश्वविद्यालय, भोपाल ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता में गणेश शंकर विद्यार्थी भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता की तरह सामने आते हैं। उनकी पत्रकारिता का सूत्र है राष्ट्र प्रथम। इन्हीं मूल्यों के लिए उन्होंने अपना जीवन भी बलिदान कर दिया।

संगोष्ठी में शिवशरण सिंह गहरवार, सचिव – उ0 प्र0 मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति, लखनऊ ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी एक निर्भीक, निष्पक्ष, ईमानदार क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले पत्रकार, स्वतंत्रता सेनानी थे। ब्रिटिश शासन की जड़ों को खोखला कर देने की कुबत ने अंग्रेजो को हिला दिया था।

संगोष्ठी में डॉ. धनंजय चोपड़ा, पाठ्यक्रम समन्वयक मीडिया अध्ययन केन्द्र इलाहाबाद विष्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि 'विद्यार्थी जी ने इलाहाबाद की सरस्वती पत्रिका और स्वराज्य अखबार की विरासत को अपने समाचार पत्र प्रताप के माध्यम से बखूबी आगे बढ़ाया। प्रताप का दफतर आजादी के दिवानों की पाठशाला हुआ करता था, जहाँ भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, बटुकेश्वर दत्त जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एकत्र हुआ करते थे।

गणेश शंकर विद्यार्थी की पत्रकारिता पर केन्द्रित 'राष्ट्रीय एकता के निर्माण में गणेश शंकर विद्यार्थी की पत्रकारिता' संगोष्ठी में अपने वक्तव्य में आचार्य श्रीकांत शास्त्री, वरिष्ठ पत्रकार एवं अध्यक्ष – आल इण्डिया प्रेस रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएषन ने कहा कि 'गणेश शंकर विद्यार्थी जी को हिन्दी पत्रकारिता का प्रमुख स्तंभ माना जाता है, वे भारतीय इतिहास के एक संवेदनशील पत्रकार होने के साथ ही साथ सच्चे देशभक्त, समाजसेवी स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय कार्यकर्ता भी थे, उनके लेखो में ऐसी गजब की ताकत थी कि उनकी पत्रकारिता ने ब्रिटिश शासन की नींद हराम कर दी थी।

कार्यक्रम का संचालन आलोक

कुलपति के ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली, केन्द्रों को चेताया

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्रीय परीक्षाओं में कुलपति के परीक्षा केन्द्रों के औचक निरीक्षण से नकलचियों में खलबली मच गई है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने मंगलवार को प्रयागराज के यमुनापार में चार परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को दी जाएं। कुलपति ने चेतावनी दी कि जो मानक पूरे नहीं करेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उधर कुलपति के औचक निरीक्षण से परीक्षा केंद्र परिवर्तन की सुविधा का लाभ उठाकर नकल के भरोसे परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थियों की दाल नहीं गल पा रही है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने आज नंदकिशोर सिंह पीजी कॉलेज, नैनी, एस एन सेवा संस्थान गर्ल्स डिग्री कॉलेज, नैनी, गांधी शांति निकेतन डिग्री कॉलेज, गौहनिया तथा मोतीलाल नेहरू डिग्री कॉलेज, कौंधियारा स्थित परीक्षा केन्द्रों का दोनों पालियों में औचक निरीक्षण किया। कुलपति के परीक्षा केन्द्र पर पहुंचते ही खलबली मच गई। कुलपति अपने स्टाफ को छोड़कर अकेले ही परीक्षा कक्ष में पहुंच गए। कई केंद्रों में भीषण गर्मी में भी पंखा न चलने पर उन्होंने कड़ा रूख प्रदर्शित किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र को हर तरह की सुविधा प्रदान कर रहा है। ऐसी स्थिति में छात्रों को अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध न किए जाने पर रोष व्यक्त किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम इसके पूर्व बीबीएस डिग्री कॉलेज बरना, प्रतापगढ़, डिग्री कॉलेज, उपरदहा,बरौत तथा दयाशंकर महिला महाविद्यालय, फूलपुर का औचक निरीक्षण कर चुके हैं। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए उड़ाका दल और प्रेक्षकों की टीम के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी एवं समन्वयकों को घ्स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों की प्रतिदिन की रिपोर्ट मुख्यालय को प्रेषित करेंगे। इसी क्रम में बुधवार 26 जून को प्रातः 11रू00 बजे सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारियों की बैठक कुलपति ने बुलाई है।

कांग्रेसियों ने बदहाल बिजली व्यवस्था को लेकर सौंपा ज्ञापन

रायबरेली(आरएनएस)। विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर सात सूत्रीय ज्ञापन सौपा।

जिला प्रवक्ता महताब आलम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में विद्युत आपूर्ति की विकराल समस्या हो गई है, जिसके फलस्वरुप आम जन, किसान, व्यापारी, छात्र आदि वर्ग के सामने संकट पैदा हो गया है, चूँकि धान की रोपाई का समय चल रहा है, विद्युत आपूर्ति न रहने के कारण किसान अपने खेतों में धान की रोपाई नहीं कर पा रहा है और धान की नर्सरी सूख रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि जिले में व्याप्त बिजली कटौती से अविलम्ब निजात दिलाई जाये, बिजली की ट्रिपिंग व लो–वोल्टेज की समस्या दूर की जाये, तमाम विद्युत उपकेन्द्र पूरी क्षमता के साथ कार्य करें। विद्युत उपकेन्द्र शिवगढ़ व कठगर की जर्जर व्यवस्था के कारण सैकड़ो गाँव बिजली की समस्या की चपेट में है, इस समस्या से इन्हे तुरन्त राहत दिलाई जाये। जर्जर व पुराने तारो को अविलम्ब बदला जाये। जिन गाँव या शहर में ट्रान्सफार्मर कम क्षमता के लगे है, उन्हे तुरन्त उच्च क्षमता में बदला जाये और विद्युत उपकेन्द्रो में संयत्र की समुचित व्यवस्था की जाये।कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल ने कहा कि जनहित में उपरोक्त विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में अविलम्ब सुधार किया जाये अन्यथा आम जन सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगा। कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल में शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष निर्मल शुक्ला, प्रत्याशी विधानसभा सदर डा.मनीष सिंह चौहान, प्रत्याशी विधानसभा ऊँचाहार अतुल सिंह उपस्थित रहें।

कमजोर बीडीसी पर भी ध्यान दें मुख्यमंत्री– रेवती

प्रयागराज(आरएनएस)। पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सिर्फ धनाढ्य प्रमुखों की ना सुनें कमजोर बीडीसी पर भी ध्यान दें कि उनकी क्या समस्या है, उनमें इतना आक्रोश क्यों है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया जायेगा और सम्भव हुआ तो गरीब कमजोर बीडीसी सदस्यों से भी मुख्यमंत्री से वार्ता कराया जायेगा ताकि उनको पता चल सके कि ब्लाक के कार्यों में कितनी अनियमितता बरती गई हैं और उनके आय के श्रोत की भी जांच होनी चाहिये। यह जानकारी देते हुए सपा प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने बताया कि जाति की राजनीति करने वाले एक दो बार सांसद विधायक बन सकते हैं। आठ बार विधायक दो बार सांसद बनें कुंवर रेवती रमण सिंह जाति की नहीं जमात की राजनीति करते है इसलिए जब जमुनापार में ब्लाक प्रमुख बनाने की बात आई तो ब्राह्मण, ठाकुर, भूमिहार, पटेल, कोल को सपा का टिकट ही नहीं दिलाया बल्कि शासन सत्ता के खिलाफ कमजोर बीडीसी की हौसलाअफजाई के बदौलत उनको चुनाव भी जितवाया। लेकिन सभी निजी स्वार्थवश शासन सत्ता के साथ चले गए और बेचारे बीडीसी को ठेंगा दिखा दिया। जिससे उनमें अपने प्रमुखों के प्रति आक्रोश है। उन्होंने कहा कि कुछ अकर्मण्यता वाले जनप्रतिनिधि हैं जिसके अंदर इतना सामर्थ्य नहीं है कि अपने पाटर्नर के अविश्वास प्रस्ताव में जीत दिला सके। जबकि सीएम से लेकर डीएम तक उनके फिर भी उत्पीड़न का रोना लेकर भाग भाग कर मुख्यमंत्री के पास जा रहे है कि अविश्वास प्रस्ताव ना आने पाये। उनको पता है कि जनता और बीडीसी में कितना आक्रोश है इसकी झलक अभी हुये लोकसभा चुनाव में हो गई।

भाजपा ने मनाया काला दिवस लोकतंत्र सेनानियों को किया सम्मानितज

रायबरेली(आरएनएस)। मंगलवार को भाजपा कार्यालय अटल भवन में जिलाध्यक्ष बुद्धी लाल पासी की अध्यक्षता में आपात काल को काला दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेंश खन्ना व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह मौजूद रहे। सुरेश खन्ना ने बताया की 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक का 21 महीने की अवधि में भारत में आपातकाल घोषित था।तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की अनुच्छेद 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर दी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद और अलोकतांत्रिक काल था। आपातकाल में चुनाव स्थगित हो गए तथा नागरिक अधिकारों को समाप्त करके मनमानी की गई। इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक विरोधियों को कैद कर लिया और उनको प्रताड़ित किया और तो और उन्होंने प्रेस पर प्रतिबंधित लगा दिया । प्रधानमंत्री के बेटे संजय गांधी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर पुरुष नसबंदी अभियान चलाया गया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे लोकतांत्रिक काला दिन था।इसीलिए इस आपात काल को काला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान आये हुए सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मंत्री सुरेंश खन्ना व राज्यमंत्री दिनेश सिंह व जिलाध्यक्ष बुद्धी लाल पासी ने अंग वस्त्र भेट कर सम्मानित किया।

इस मौके पर पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह, विधायक सलोन अशोक कोरी,क्षेत्रीय मंत्री दिलीप यादव,पूर्व विधायक गजाधर सिंह , राजा राम त्यागी,सुरेंद्र सिंह दाढ़ी,अजय अग्रवाल,आरबी सिंह ,पुष्पेन्द्र सिंह, मुकेश श्रीवास्तव,दल बहादुर सिंह,प्रभात साहू, विजय सिंह, भागवत सिंह,शिवेंद्र सिंह,जनमेजय सिंह,पंकज मुरारका,व सभा संयोजक विवेक शुक्ला सहसंयोजक विनोद वलेचा,मंजेश सिंह, जिला मीडिया प्रभारी विनय शुक्ला सहित भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपातकाल में जेल में रहे गिरीश नारायण हुए सम्मानित

लालगंज,रायबरेली(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पुरोधा और बाद में सरेनी विधानसभा से विधायक बने उत्तर प्रदेश सरकार में विधि न्याय मंत्री रहे गिरीश नारायण पांडे को उनके आवास पर पहुंचकर आपातकाल की 50वीं वर्ष पर उन्हें पार्टी की टोपी और शाल ओढ़ाकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया ।साथ ही भगवान राम के मंदिर का चित्र भी भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री और लोकतंत्र सेनानी गिरीश नारायण पांडे ने कहा कि भाजपा की सरकार को लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रमुख विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग भाजपा सरकार पर संविधान नष्ट करने का आरोप लगा रहे हैं जबकि संविधान की सही मायने में धज्जी तो कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ही उड़ाई थी और निरअपराध लोगों को जेल में ठूंस दिया था। देश में आपातकाल लगाने के लिए कांग्रेसियों को शर्म चाहिए।राहुल गांधी ने भी संसद के अंदर पारित विधेयकों के अभिलेखों को फाढ़ने का काम किया था। आज कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ,राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को देश से खुले मंच से आपातकाल के लिए माफी मांगना चाहिए और उन लोगों से भी क्षमा याचना करनी चाहिए जिन्हें जेल में ठूंसने का कार्य उनकी दादी इंदिरा गांधी ने किया था। इस मौके पर भाजपा नेता अनूप पांडे, मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, आरएसएस के जिला व्यवस्था प्रमुख सतीश त्रिवेदी, पूर्व नगर संघचालक रवि बाजपेई, भाजपा नेता कैलाश बाजपेई रवि नंदन सिंह चौहान, अशोक शुक्ला,सुरेंद्र गुप्ता ,व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रोहित सोनी, व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा, नागेंद्र सिंह, राजन अवस्थी ,सतीश पटवा, कौशलेंद्र सोनी ,गोविंद ,विजय बाजपेई, ब्रम्हेन्द्र विक्रम सिंह , शिवम गुप्ता, अक्षत पांडेआदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस पर सत्ता धारी दल के दबाव में काम करने का सपा ने लगाया आरोप

प्रयागराज(आरएनएस)। जिले के सराय ममरेज थानाअंतर्गत मोहिउद्दीन पुर निवासी श्रीमती कौशल्या देवी को न्याय दिलाने के लिए आज समाजवादी पार्टी के नेतागण जनपद के नये पुलिस आयुक्त तरुण गाबा से मिले। सपा नेताओं ने सराय ममरेज सहित कई थानों की पुलिस पर सत्ताधारी दल के नेताओं के अनावश्यक दबाव पर आम आदमी को परेशान किये जाने का आरोप लगाया। सराय ममरेज के मोहिउद्दीन पुर गाँव के मामले को ताजा उदाहरण बताते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा।बता दें कि मोहिउद्दीन पुर निवासी श्रीमती कौशल्या देवी को विगत 23 जून को सुबह गाँव के ही कुछ लोंगो ने पुरानी रंजिश वश मारापीटा था। इसकी सूचना पाकर शहर में रह रहे उसके पुत्र दिनेश कुमार उर्फ राजा को हुई तो वह मोटरसाइकिल गाँव आ ही रहा था कि विपक्षियों ने रास्ते में फूलपुर के कपसा गाँव के पास उसे भी रोक कर जमकर मार पीट की।।

महापौर ने नि:शुल्क टूल किट्स का किया वितरण

अयोध्या(आरएनएस)। उ0प्र0 माटीकला बोर्ड एवं जिला परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय बड़ी देवकाली मन्दिर बेनीगंज में टूल किट्स योजना के अन्तर्गत महापौर गिरीश पति त्रिपाठी के द्वारा निःशुल्क टूल किट्स का वितरण किया गया, जिसमें जनपद अयोध्या में माटीकला टूल किट्स विद्युत चालित चाक में 40, माटराइज्ड दोना पत्तल मेकिंग मशीन में 08 व पापकार्न मेकिंग मशीन 10 का वितरण किया गया। इसी तरह जनपद अम्बेडकनगर में माटीकला टूल किट्स विद्युत चालित चाक में 60, जनपद सुल्तानपुर में माटीकला टूल किट्स विद्युत चालित चाक में 40, जनपद अमेठी में माटीकला टूल किट्स विद्युत चालित चाक में 30, जनपद बाराबंकी माटीकला टूल किट्स विद्युत चालित चाक में 40 का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुकेश सिंह पूर्व अध्यक्ष साकेत महाविद्यालय अयोध्या, राकेश दुबे जिला ध् परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी, कमलेश कुमार जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अम्बेडकरनगर, श्रीमती सरिता द्विवेदी प्रभारी फाइन आर्ट्स एवं रीमा सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के साथ–साथ कार्यालय के कर्मचारियों उमाकान्त गुप्ता गुड़ विकास निरीक्षक, मो. सलीम प्रधान सहायक आदि उपस्थित रहें।

बार–बार ट्रांसफार्मर जलने के विरोध में ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। विद्युत उपकेन्द्र मिल्कीपुर अंतर्गत चमनगंज फीडर से आच्छादित करमडांडा गांव के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया है। मिल्कीपुर के इनायतनगर स्थित उपखंड कार्यालय पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान मुकेश पंडित की अगुवाई में धरना प्रदर्शन किया।ग्राम प्रधान का आरोप है विगत 15 दिनों के अंदर गांव का ट्रांसफार्मर चार बार जला है। बार–बार ट्रांसफार्मर जलने के कारण गांव में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित है। गांव के लोग भीषण और उमस भरी गर्मी में अपने घरों में बिलबिलाने को मजबूर हैं।

ग्रामीण मो मुफीद ने बताया कि विद्युत विभाग जैसे ही जले ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगाता है वह कुछ ही समय में फिर जल जाता है,गांव के सभी लोगों का भीषण गर्मी में जीना मुहाल हो गया है। एसडीओ मिल्कीपुर अमित कुमार सिंह के समझाने बुझाने पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण माने। एसडीओ ने ग्रामीणों को नया ट्रांसफार्मर लगवाने तथा उसकी क्षमता वृद्धि करने के प्रस्ताव का आश्वासन दिया।इस अवसर पर मोहम्मद फारुख,सोहराब अंसारी, निजामुद्दीन,मो अशरफ,मो अंसार,मो शमशाद,अरमान अंसारी,मो सलीम,लुकमान अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विद्यालय की जमीन पर अवैध कब्जेदारों के आगे प्रधान व प्रधानाध्यापक बेबस

सुल्तानपुर (आरएनएस)। प्राइमरी स्कूल के सामने बना दी दीवार और रास्ता बंद खबर का हुआ रियलिटी चेक खबर निकली भ्रामक प्राथमिक विद्यालय का रास्ता नहीं है बंद। प्रधानाध्यापक जोखनलाल ने प्राथमिक विद्यालय भटौता तुलसी पट्टी के खेल का मैदान खाली कराने के लिए उपजिलाधिकारी, कादीपुर को प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर उपजिलाधिकारी ने त्वरित कार्यवाही कर विद्यालय की जमीन पर हुए अवैध कब्जे का सीमांकन कराया। उपजिलाधिकारी कादीपुर के निर्देश पर नायाब तहसीलदार के नेतृत्व में गठित राजस्व टीम ने बृहस्पतिवार को विद्यालय की जमीन (गाटा संख्या 1129,1132,1134 आदि) का सीमांकन करते हुए गांव के लोगों की उपस्थिति में चारों तरफ ईंट गाड़ कर निशानदेही की गई। निशानदेही में विद्यालय के उत्तर सहेंद्र, रघुबर, महेंदर, लालमणि, पतिराम, पंकज, नेवासा, भूलन, सूर्यमणि, पन्नेलाल, हरीराम, पंचम आदि की खतौनी की जमीन निकली। राजस्व टीम के द्वारा सीमांकन में प्राप्त खतौनी की जमीन पर सभी खाता धारकों ने मिलकर बाउंड्री बना कर अपनी सीमा को सुरक्षित कर लिया। सीमांकन में विद्यालय के दक्षिण दिशा की तरफ खेल के मैदान और विद्यालय की जमीन पर एनएम सेंटर, पंचायत भवन, घूर, घर आदि द्वारा कब्जा होना पाया गया है। निशानदेही के बाद विद्यालय की जमीन और खेल के मैदान का अवैध कब्जा खाली नहीं कराया जा सका है। नौनिहाल और शिक्षक पक्की सड़क से सीधे विद्यालय आते हैं।

ग्राम प्रधान ने बताया कि राजस्व टीम ने चारों तरफ विद्यालय की जमीन का सीमांकन कर ईंट गड़वाया। विद्यालय के उत्तरी छोर पर स्थित निजी भूमि धारकों ने निशानदेही के बाद अपनी जमीन पर दीवाल उठा ली। विद्यालय में शिक्षक और बच्चों के आने जाने के लिए पूर्व दिशा में स्थित पक्की सड़क से लगे खड़ंजे से होते हुए विद्यालय में आया जाता है। इस रास्ते का प्रयोग नौनिहालों और शिक्षकों के आने जाने के लिए किया जाता रहा है। सीमांकन से पता चला की खेल के मैदान आदि की जमीन पर अवैध कब्जा हुआ है। मेरे द्वारा अवैध कब्जा खाली कराने में शासन और प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाएगा।

अवैध शराब अड्डियों पर पडा छापा, दो के विरूद्ध हुई कार्यवाही

सुल्तानपुर (आरएनएस)। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश व जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना के कुशल नेतृत्व में सुभाष चंद्र सिंह आबकारी निरीक्षक मय स्टाफ साकेत कुमार राय प्रधान आबकारी सिपाही,शशि प्रकाश गुप्ता,अरविंद कुमार वर्मा,मोहम्मद इरफान व संजय कुमार श्रीवास्तव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–4 लंभुआ एवं नेहा श्रीवास्तव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र पंचम बल्दीराय के साथ ग्राम बल्लीपुर थाना कोतवाली नगर में दबिश दी गई। दबिश के दौरान जनपद 25 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई, 02 अवैध शराब कारोबार करने वालो के ऊपर अभियोग पंजीकृत करते हुए आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में नियमानुसार कार्यवाही की गई। आबकारी निरीक्षक सुभाष चंद्र सिंह ने बताया कि लोस चुनाव से पहले अवैध शराब के कारोबार करने वालो के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है,आबकारी विभाग को लगातार कामयाबी भी मिल रही है, आगे भी अभियान चलता रहेगा। बताते चले कि आबकारी निरीक्षक सुभाष चंद्र सिंह पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे है, पैर में समस्या होने के कारण स्लीपर से काम चला रहे है, बावजूद इसके काम के प्रति लापरवाही बिल्कुल नही चाहते, तभी तो वो ऐसी हालत में भी प्रवर्तन की कार्रवाई निरंतर जारी रख रहे है।

तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार छात्र को कुचला, मौत

अयोध्या(आरएनएस)। एनएच 330 ए अयोध्या–रायबरेली हाईवे पर मऊशिवाला बाजार के निकट तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार इंटर के छात्र को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने छात्र के शव को पिकअप में फंसकर 200 मीटर दूरी तक घसीटता देख दौड़कर चालक को दबोच लिया। आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के सरियावां मजरे पहली का पुरवा निवासी पवन कुमार का 14 वर्षीय बेटा लकी कोचिंग पढ़ने के लिए साइकिल से अयोध्या शहर की ओर जा रहा था। मऊ शिवाला बाजार पार करते ही एकल दिशा में मिल्कीपुर बाजार से यात्रियों को बैठाकर अयोध्या शहर की ओर जा रही तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से कुचल गया। छात्र के शव को घिसटता देख प्रत्यक्षदर्शियों ने गुहार लगाते हुए पिकअप समेत चालक को दबोच लिया। इसी बीच मौके पर पहुंची कैंट पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस चालक समेत पिकअप को कैंट ले गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना कोतवाली कैंट प्रभारी संजय मौर्य ने बताया कि मृतक छात्रा के मामा लाल माधव पुत्र राम केवल की तहरीर पर पिकअप गाड़ी की संख्या अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया।

फंदे से लटका मिला युवक का शव, आत्महत्या की आशंका

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। इनायत नगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत कोटवा गांव निवासी दिनेश कुमार पुत्र रामू का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में परिजनों को लटकता मिला। मृतक के पिता रामू की सूचना पर पहुंची इनायत नगर पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवारजनों के अनुसार दिनेश कुमार 40 बर्ष अपने परिवार के साथ अलग रह रहा था। उसके दो बेटे और एक बेटी है। परिजन खेत में काम करने गए थे। वहां से लौट कर जब घर वापस आए तो देखा कि कमरा बंद है। कमरे को खोलने का प्रयास किया। लेकिन कमरा अंदर से बंद होने के चलते नहीं खुल सका। जिसके बाद आवाज लगाने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जब खिड़की से परिजन देखे तो दिनेश अंदर कुंडी से लटके हुए थे। प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना के संबंध में कुछ कहा जा सकेगा।

जलभराव की समस्या को लेकर मण्डलायुक्त ने की बैठक

-निर्माणाधीन ड्रेन डक्ट को तत्काल संचालित करने का दिया निर्देश

अयोध्या(आरएनएस) । मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में मानसून पूर्व हुई अतिवृष्टि के कारण शहर में जलभराव आदि की शिकायतों के सम्बंध में एक आवश्यक बैठक आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गयी, जिसमें महापौर अयोध्या महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिलाधिकारी नितीश कुमार, नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा सहित अन्य सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मण्डलायुक्त ने प्रथम बारिश के उपरांत शहरी क्षेत्रों में जल भराव सहित आ रही अन्य दिक्कतों का निस्तारण पीडब्लूडी के सम्बंधित अधिशाषी अभियन्ताओं को नगर निगम व जलनिगम की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन अयोध्या बसखारी मार्ग के शहरी क्षेत्र में बने निर्माणाधीन ड्रेनध्डक्ट को तत्काल संचालित किया जाय, जिससे कि सड़क के पास स्थित शहरी क्षेत्रों में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या न होने पाये। इसके अलावा उन्होंने जलनिगम शहरी के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिया कि शहर के जिन–जिन क्षेत्रों में सीवर लाइन का कार्य हाल ही में किया गया है उन सभी सीवर लाइन के कॉमपैटिंग के कार्य एक का एक बार पुनः परीक्षण करा लिया जाय तथा सीवर लाइन लिकेज की सतत निगरानी भी की जाय। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन चौदह कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के किनारे आबादी वाले क्षेत्रों में पूर्व से स्थित नालों को किसी भी दशा में न तोड़ा जाय और यह भी ध्यान रखा जाय कि इनमें निर्माण सामाग्री का मलबा न जाने पाये। इस दौरान महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी द्वारा अतिवृष्टि के दौरान शहर के जिन–जिन स्थानों पर जलभराव की समस्या हुई उसके सम्बंध में अवगत कराया गया। जिस पर मण्डलायुक्त ने पीडब्लूडी, जलनिगम एवं नगर निगम के अधिकारियों को संयुक्त रूप से मौके पर जाकर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिये गए। बैठक में उपस्थित जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने कहा कि शहरी क्षेत्रों की जिन–जिन गलियों में सीवर लाइन डाली गयी है उनमें ब्लाकेज न होने पाये इसकी सतत निगरानी के साथ ही नवनिर्मित सभी पथों पर बरसात के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा निगरानी रखी जाय, जिससे कि कही भी समस्या आने पर उसका तत्काल निराकरण कराया जा सके। बैठक में पीडब्लूडी के अधीक्षण अभियन्ता, अधिशाषी अभियन्ता, नगर निगम के अपर नगर आयुक्त गण, उपजिलाधिकारी सदर, जलनिगम नगरीय के अधिशाषी अभियन्ता सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध बैरियर लगाकर वसूली, मुख्यमंत्री से हुई शिकायत

-कुचेरा बाजार स्थित शाहगंज मोड़ पर लगाया गया है बैरियर

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)।इनायत नगर थाना क्षेत्र के कुचेरा बाजार स्थित शाहगंज मोड़ पर इनायत नगर पुलिस द्वारा स्थापित किए गए अवैध बैरियर की आड़ में की जा रही अवैध वसूली के मामले में पीड़ित वाहन स्वामी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मीठे गांव रसूलपुर टोल प्लाजा से लगभग 3 किलोमीटर पहले कुचेरा शाहगंज मोड पर इनायत नगर पुलिस ने अवैध बैरियर लगा दिया गया है। यही नहीं उक्त बैरियर पर तीन पुलिस कर्मियों की 8–8 घंटे की शिफ्ट बनाकर तैनाती भी कर दी गई है। मंगलवार को प्रातः 7:00 बजे ट्रक संख्या यूपी 42 सी टी मोरंग लोड कर शाहगंज बाजार स्थित एक वेल्डिंग मटेरियल की दुकान पर खाली करने जा रहा था। जिसे बैरियर पर तैनात होमगार्ड द्वारा रोक लिया गया और पहले तो उसे टोल क्रॉस करके फैजाबाद के रास्ते वापस आने की बात कही गई। किंतु जब ट्रक ड्राइवर ने गाड़ी अनलोड करने के स्थल को बताया तब होमगार्ड ने 2 सौ रुपए की मांग की।ट्रक चालक द्वारा पैसा देने में असमर्थता व्यक्त किए जाने के बाद होमगार्ड ने ट्रक का फोटो बनाया और रसूलपुर टोल प्लाजा के प्रबंधक के पास गाड़ी नंबर स्कैन कर टोल काटे जाने हेतु प्रेषित कर दिया। यह कोई नया मामला नहीं है, बीते कई महीनो से यह अवैध बैरियर स्थापित कर इनायत नगर पुलिस द्वारा 24 घंटे की जा रही अवैध वसूली के चलते चार पहिया वाहन चालक से लेकर भारी वाहन स्वामी प्रतिदिन अवैध वसूली के शिकार हो रहे हैं।घटना के बाद पीड़ित वाहन स्वामी ने सीओ मिल्कीपुर सुनील कुमार सिंह से मुलाकात कर आपबीती बताया और अवैध बैरियर को हटवाते हुए आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उक्त अवैध बैरियर पर आए दिन पुलिसकर्मियों एवं वाहन स्वामियों के बीच तकरार होती रहती हैं। सीओ मिल्कीपुर श्री सिंह ने बताया कि मामले की शिकायत का संज्ञान लिया गया है और मंगलवार को बैरियर पर तैनात रहे होमगार्ड को हटाए जाने का आदेश दे दिया है। सीओ मिल्कीपुर की त्वरित कार्यवाही भी संदेह के दायरे में आ गई है, क्योंकि उन्होंने अवैध बैरियर को हटाए जाने के मामले को नजरअंदाज कर केवल अवैध वसूली की शिकायत की जद में आए होमगार्ड को हटाने का आदेश दिया है। हालांकि उन्होंने मामले को स्वयं अपने स्तर से जांच करते हुए कार्रवाई की बात कही है।

आभूषण की दुकान पर आयकर का छापा

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। मंगलवार को सुचित्तागंज बाजार की प्रसिद्ध स्वर्ण आभूषण की दुकान जिया ज्वेलर्स में आयकर विभाग ने छापा मारा और लगभग 4 घंटे तक खरीद फरोख्त के दस्तावेजों को खंगाला। इस छापे की आहट मिलते ही बाजार की अन्य दुकानों के शटर धड़ाधड़ गिरने लगे। ब्यवसायी अपनी प्रतिष्ठान बंद कर चलते बने। ब्यापारियों में मचे हड़कंप के बीच अधिकारियों के निशाने पर ली गई दुकान का पड़ताल खबर लिखे जाने तक जारी रहा। आयकर उपायुक्त श्रीप्रकाश यादव, राजेश चौधरी ने बताया कि अभी जांच पड़ताल चल रही है। इसमें समय लगेगा। पड़ताल पूरी होने के बाद विज्ञप्ति दी जायेगी।

दो विभागों की लड़ाई में सूखी पड़ी समदा झील

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)। शारदा सहायक नहर में पानी आया तो समदा झील में पानी आने की उम्मीद बढ़ गई। उप–जिलाधिकारी ने माइनर साफ कराकर झील के लिए पानी खुलवाया तो नहर विभाग ने यह कहकर फिर बंद करवा दिया कि समदा हमारे क्षेत्र में नहीं आती। हम केवल गांव के तालाब, पोखर, खेत खलिहान को भरने की इजाजत दे सकते हैं। झील में पानी बिना तड़पती मछलियों और पक्षियों की रक्षा की मांग एस डी एम से स्थानीय लोगो द्वारा महीनों से की जाती रही है। उप–जिलाधिकारी ने शारदा सहायक नहर में पानी आने पर सोमवार को समदा से जुड़ी माइनर को खुलवा कर झील में पानी भेजवाने का काम शुरू कराया तो यह नहर विभाग को नागवार गुजरा। विभाग से बिना इजाजत लिए नहर के पानी का उपयोग समदा पक्षी विहार के लिए भेजवाने की खबर मिलते ही नहर विभाग के अभियंता, सींचपाल सब मुहाने पर आ धमके और नहर के पानी कटान स्थल को मजदूरों से बंद करा दिया। विभागीय बर्चस्व की इस जंग में फंसी मुख्यमंत्री के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को लेकर जब पूछा गया तो निर्माण संस्था ए डी ए ने कहा हमारा काम पर्यटन के नजरिए से बनाना भर है। सुरक्षा और रख रखाव की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की है। विभागो की इस लड़ाई में सूखी झील को जल्द पानी मिलने की उम्मीद अब दूर की कौड़ी नजर आ रही है। अधिशाषी अभियंता नहर विभाग राजेश गौतम ने बताया कि पक्षी विहार हमारे ग्राउंड क्षेत्र से बाहर है। अपने एरिया के खाली पोखर तालाब को नहर से जल भराव किये जाने का आदेश है। एरिया से बाहर होने के कारण प्रशासन द्वारा विभाग को पहले प्रस्ताव भेजना होगा। अनुमति के आधार पर समदा झील में पानी का भराव किया जा सकता है।

सी.एम.एस. की मेजबानी में 15–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय यूथ मीटिंग प्रारम्भ

लखनऊ, 25 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल की मेजबानी में आयोजित 15–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय यूथ मीटिंग में अमेरिका, जर्मनी, नार्वे, स्वीडन, वियतनाम, इंडोनेशिया, पुर्तगाल एवं भारत के बाल प्रतिनिधि ा लखनऊ में साथ–साथ रहकर एकता व शान्ति का संदेश सारे विश्व में प्रवाहित कर रहे हैं। सी. एम.एस. की मेजबानी में यह अन्तर्राष्ट्रीय युवा मीटिंग 'सस्टेनबल डेवलपमेन्ट'विषय पर 24 जून से 8 जुलाई तक आयोजित की जा रही है जिसमें विश्व के 8 देशों से पधारे 12 से 13 वर्ष उम्र के पाँच सदस्यीय बाल दल अपने टीम लीडर के नेतृत्व में प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अन्तर्राष्ट्रीय युवा मीटिंग का प्रमुख उद्देश्य सम–सामयिक विषयों पर विभिन्न देशों के नन्हें–मुन्हें बच्चों के विचारों को प्रमुखता देना है। आठ देशों से पधारे किशोरों का यह समूह शांति शिक्षा के चार प्रमुख बिन्दुओं विभिन्नता, विद्रोह समाप्ति, मानवाधिकार, सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट एवं नेचुरल इन्वार्यनमेन्ट पर चर्चा–परिचर्चा करके अपने विचारों का आदान–प्रदान कर रहे हैं, साथ ही मित्रता, सौहार्द, आपसी भाईचारे से ओतप्रोत एक नई विश्व संस्कृति का निर्माण भी कर रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय यूथ मीटिंग में प्रतिभाग हेतु विभिन्न देशों से पधारे छात्रों का लखनऊ की सरजमीं पर भव्य स्वागत हुआ तथापि अभूतपूर्व स्वागत से ये बच्चे खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। इन बच्चों का कहना था कि हम एकता व शान्ति का संदेश लेकर लखनऊ आये हैं। श्री खन्ना ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय यूथ मीटिंग का उद्देश्य विभिन्न देशों के छात्रों में शान्ति व एकता की भावना सुदृढ़ करने के साथ ही युवा छात्रों की सोच को विस्तृत एवं विश्वव्यापी बनाना है जिससे उनमें साँस्कृतिक, अर्न्तसांस्कृतिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय समझ विकसित हो।

आपातकाल को लेकर भाजपा कार्यालय पर हुई गोष्ठी

अयोध्या(आरएनएस)। भारतीय लोकतंत्र के काले अध्याय आपातकाल को लेकर सहादतगंज स्थित भाजपा कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी अवनीश पटेल ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान पुलिस की बर्बरता व तानाशाही को याद करने के बाद आज भी लोगो के मन में डर की झलक आ जाती है। लोकतंत्र को फिर से स्थापित करने व तानाशाही मानसिकता को हराने के लिए अपना सबकुछ कुर्बान करने वाले लोकतंत्र सेनानी हमारे आदर्श है।

जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र के इतिहास में सबसे काला अध्याय है। कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र व विरोध में उठने वाले स्वर को सत्ता के बल पर रौंद दिया था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए लोकतंत्र सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने यातनाओं को सहते हुए सरकार के आपातकाल लागू करने के निर्णय का विरोध किया। तानाशाही सरकार के खिलाफ विपरीत परिस्थितियों भी आवाज उठायी। उनके योगदान के फलस्वरुप लोकतांत्रिक मूल्यों की पुर्नस्थापना हुई। जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि अहंकारी सत्ता पक्ष ने तत्समय लोकतंत्र की हत्या की थी। यह संघर्ष का वह दौर था जब अमानवीय यातनाओं के बाद भी विरोध के स्वर सत्ता के खिलाफ उठ रहे थे। इस संघर्ष में जीत अंत में जनता की हुई। महानगर कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार का तानाशाही रवैया आज भी लोगो के जेहन में है। लोकतंत्र सेनानियों ने तानाशाही सरकार के खिलाफ अपना सबकुछ दांव पर लगा दिया। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि आपातकाल में उठने हर आवाज को सरकार बर्बरता पूर्वक दबाने का प्रयास करती थी। जेलों में बंद होने के बाद भी लोकतंत्र सेनानियों के उत्साह में कोई कमी नहीं आयी। संगोष्ठी में जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, जिपंअ रोली सिंह, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू, पूर्व विधायक गोरखनाथ, पूर्व जिला अध्यक्ष कमला शंकर पांडे, अवधेश पांडे बादल, अभिषेक मिश्रा , राकेश मणि त्रिपाठी, राघवेंद्र पांडे सहित पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिल्कीपुर विधानसभा उप चुनाव को लेकर बढ़ी सरगर्मियां

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर सुरक्षित सीट से विधायक रहे सपा के राष्ट्रीय सचिव अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद से खाली हुई सीट पर उपचुनाव होना है। शासनस्तर भले ही अभी सुगबुगाहट न हो लेकिन मिल्कीपुर की जनता भावी प्रत्याशियों के बारे में आकलन शुरू कर दी है। जिसमें जनता ने अपनी पहली पसंद पर चन्द्रकेश रावत को रखा है जो जुझारू भी हैं। हर समय जनता के बीच उपलब्ध भी रहते हैं।सांसद बनने के बाद सपा विधायक अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर सुरक्षित सीट से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में उपचुनाव की सरगर्मियां तेज हो चली हैं। विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

मास्टर जी ने चिंता व तनाव से मुक्त रहने के बताए उपाय

अयोध्या(आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या पहुँचे मास्टरजी ने भगवान रामलला का दर्शन पूजन किया। इस दौरान उन्होंने जनपद के स्कूल में अपने आध्यात्मिक प्रवचनों ('वाणी') के माध्यम से ज्ञान साझा भी कर रहे है।उन्होंने अपने विचारों का उद्गार अयोध्या की पावन भूमि जहाँ से ईश्वर स्वरूप मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम के आर्दशों के माध्यम से व्यक्त किया। दैनिक जीवन में सचेतना के अंतर्गत चिंता, तनाव व अवसाद से हम कैसे मुक्त हो सकते हैं? इस विषय पर तत्व दर्शन व आध्यात्म पर आधारित अनेकानेक उदाहरण देकर शिक्षकों को चिंता मुक्त एवं तनाव रहित जीवन जीने की कला बताई। राम, कृष्ण जैसे महापुरूषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का उदाहरण देकर शिक्षकों को आश्वस्त किया। उन्होंने बताया कि पिछले 16 वर्षों से अपने आध्यात्मिक प्रवचनों ('वाणी') के माध्यम से एक लाख से अधिक लोगों के साथ अपना 'ज्ञान' या अनुभवात्मक ज्ञान साझा कर चुके हैं । वे निस्वार्थ भाव से और बिल्कुल निःशुल्क हिंदी,अंग्रेजी में अपनी वाणी प्रदान कर रहे हैं। मास्टरजी की वाणी से निश्चित परिवर्तन का अनुभव करने के लिए कम से कम 30 दिनों तक सुनना अनुशंसित है। उनकी वाणी यूट्यूब चौनल पर उपलब्ध हैं। मास्टरजी "मिशन 800 करोड़" के अपने सपने के अंतर्गत अगले 6 वर्षों में 800 करोड़ की पूरी दुनिया की आबादी के साथ अपने 'सत्य के साथ अनुभव' को साझा करने के लिए तत्पर हैं।

रानी दुर्गावती का मनाया बलिदान दिवस

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)।मिल्कीपुर के कर्मडांडा पटखौली गांव में वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया। इस मौके पर गोंड समाज के लोगों ने एक कार्यक्रम आयोजित कर रानी दुर्गावती को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उम्मीद किरण सेवा संस्थान के संरक्षक जनार्दन गोंड ने इस मौके पर कहा कि गोंड राजवंश की महारानी दुर्गावती ने सन 1550 में अपने पति गोंडवाना राज्य के राजा दलपत शाह की मृत्यु के बाद अपने 5 वर्षीय पुत्र को राज्य का राजा घोषित कर पूरे राज्य की बागडोर अपने हाथ में ले लिया।रानी दुर्गावती ने अपने शासनकाल में कुल 52 युद्ध लड़े जिसमें से 51 युद्ध में उन्होंने विजय प्राप्त किया।उनका अधिकतर समय मुगलों से युद्ध करने में बीता।विशिष्ट अतिथि उदय प्रताप गोंड ग्राम प्रधान सहुलारा ने कहा कि महान वीरंगाना ने युद्ध में विरोधियों के हाथों से करने के बजाय अपनी तलवार से अपना जीवनलीला समाप्त कर वीरगति को प्राप्त हुईं और इतिहास में अजर अमर हो गई। कार्यक्रम को उम्मीद किरण सेवा संस्थान अध्यक्ष लाल चन्द्र चौरसिया,राधेश्याम त्यागी,ओमप्रकाश गोंड,राम प्रसाद गोंड, विक्रमाजीत पाल,कौशिक गोंड, प्रेमनाथ गोंड आदि ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अर्जुन गोंड,जितेंद्र कुमार गोंड,गंगादीन गोंड,सोनू गोंड,तिलकराम गोंड,हरीराम मिश्रा,विनय गोंड, रवि कुमार गोंड समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूदरहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम ने की बैठक

अयोध्या(आरएनएस)। जलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा संबंधी गठित समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति अध्यक्ष जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवम् प्रोन्नत बोर्ड लखनऊ द्वारा निकट भविष्य में प्रस्तावित आरक्षी नागरिक पुलिस के चयन परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत शासन जारी शासनादेश के मानकों के अनुरूप आने वाले परीक्षा केंद्रों का चयन कार्य पूर्ण कर लेने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक व संबंधित समिति के सदस्यों को निर्देशित किया। इस अवसर पर उक्त परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने संबंधी हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर, अपर जिलाधिकारीध्नोडल अधिकारी परीक्षा महेंद्र कुमार सिंह, एसपी सिटी मधुबन सिंह, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रसून्न पांडेय सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

लोकप्रिय सरकार का गठन होगा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में थे। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका कश्मीर का यह पहला दौरा है।

आतंकी हमलों के बीच मोदी का कश्मीर दौरा काफी अहम माना जा रहा है। उन्होंने अपने भाषण में आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया। पिछले दिनों यहां लगातार चार आतंकी हमले हुए जिन्होंने सुरक्षा बलों और गृह मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर के दुश्मनों को सबक सिखाने में हिचकिचाएंगे नहीं।

लोक सभा का चुनाव यहां शांतिपूर्ण हुआ और लोगों ने उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया। जाहिर है इसके कारण मतदान प्रतिशत में भारी इजाफा हुआ। अलगाववादियों और आतंकवादियों को यह पसंद नहीं आया और उन्होंने एक के बाद एक हमले किए जिनमें तीर्थयात्री भी शामिल थे। वास्तव में आतंकी विश्व जनमत को संदेश देना चाहते थे कि कश्मीर में सबकुछ सामान्य नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार प्रदेश में लोक सभा के चुनाव हुए।

इस चुनाव में लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए जिस उत्साह से घरों से बाहर निकले उससे प्रधानमंत्री मोदी भी उत्साहित हुए। उन्होंने कहा कि सबको बांटने वाले अनुच्छेद 370 की दीवार अब गिर चुकी है।

वास्तव में 5 अगस्त, 2019 का ऐतिहासिक दिन कश्मीर और समूचे भारतवासियों के लिए बंदिशों से आजादी का दिन था। अब यहां पर्यटक बेखौफ होकर आ रहे हैं। युवा वर्ग अपने करियर के बारे में जागरूक हो गया है। अनुकूल वातावरण को देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रदेश में जब भी विधानसभा के चुनाव होंगे और इस केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलेगा।

उन्होंने कश्मीर के बारे में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नजरिये इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत्व को याद करते हुए कहा कि इसे हम हकीकत में बदलते हुए देख रहे हैं।उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव जल्द होंगे और लोकप्रिय सरकार का गठन होगा। लेकिन केंद्र सरकार को सतर्क रहना होगा क्योंकि आतंकवादी चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

रेल दुर्घटनाओं की रोकथाम कैसे ?

छोटी–छोटी रेल दुर्घटनाओं की खबर स्थानीय अखबारों में छप जाती है या लोगों को मालूम ही नहीं होता । रेल सेफ्टी से प्रायरू ड्राइवर या अधिकारी खिलवाड़ करते हैं । पिछले दिनों मुरैना–आगरा खण्ड पर जाजौ और मनियां के बीच ड्राइवरों को कॉशन था कि बहुत धीमी रफ्तार से गाड़ी चलायें । फिर भी थ्रू ट्रेनों के ड्राइवर 180 की स्पीड से गाड़ी ले गये । भाग्य से कोई दुर्घटनानहीं घटी । पिछले दिनों न्यूजलपाईगुड़ी में कंचन चंपा और मालगाड़ी की टक्कर में बड़ी संख्या में यात्री मरे? । इसके साथ ही रेल कर्मचारियों को भी मौत का सामना करना पड़ा । कई साल से चर्चा है कि रेलवे श्कवचश नाम से सेफ्टी लगा रहा है और इससे रेल की आपस में टक्कर नहीं हो सकेगी । परन्तु जिस तेजी से हाई स्पीड गाडियां चलाई जा रही हैं और ज्यादा किराये वाली सुविधा युक्त गाडियों का नये–नये नामों से संचालन हो रहा है, उतनी तेजी से श्कवचश नहीं लगाया जा रहा है । वह जमाना बीत गया जब रेलमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना होने पर केन्द्रीय कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था । यूं वर्तमान रेल मंत्री तुरन्त दुर्घटनास्थल पर पहुंच गये थे परन्तु इससे बचाव के काम में कोई तेजी नहीं आती अपितु रेलमंत्री की सुविधा और सुरक्षा में लगे अधिकारी और कर्मचारी उनके आवभगत में लग जाते हैं तो बचाव कार्य में बाधा ही पड़ती है । नये मंत्रिमंडल के गठन के समय जे.डी.यू. ने रेल मंत्रालय की मांग की थी, उस पर प्रधानमंत्री का कहना था कि जिस तेजी से रेल सेवा का विस्तार और विकास हो रहा है उसमें बहुत सक्षम रेलमंत्री की आवश्यकता है। यदि नितीश कुमार स्वयं रेल मंत्रालय संभालें तो सोचा जा सकता है । वर्तमान रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बहुत कर्मठ और लग्नशील हैं । पिछले कुछ वर्षों में गेज परिवर्तन, तीसरी लाइन, स्टेशनों का विकास और विस्तार रेल सेवा में सुविधा और आराम को लेकर बहुत कुछ किया जा चुका है और आगे भी किया जा रहा है । अब प्रत्येक रेल स्टेशन में स्थानीय उत्पाद की दुकानें खोली जा रही हैं । वेटिंग लिस्ट को कब किया जा रहा है । मध्यम वर्ग व गरीब वर्ग के लिए सस्ती रात्रि कालीन सेवाएं शुरू की जा रही हैं । इसके लिए ऐसे डिब्बों का निर्माण हो रहा है जिसमें ज्यादा स्लीपर होंगे । वंदे भारत ट्रेनों में भी स्लीपर सुविधा का विस्तार किया जा रहा है । परन्तु इन सबसे बढ़कर जो ज्यादा जरूरी है वह है रेल सेवा में सुरक्षा ताकि यात्री को भरोसा हो कि वह सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंच जायेगा । न्यूजलपाईगुड़ी में हुए रेल हादसे के समय कहते हैं सिग्नल काम नहीं कर रहे थे और स्टेशन मास्टर की लिखित आज्ञा से ट्रेन बढ़ रह थी । शायद 15 मिनट के अंतराल पर दोनों ट्रेनों को आज्ञा देने से यह हादसा हुआ हो । त्रिपुरा से सियालदह जा रही इस ट्रेन में 10–15 यात्री मारे गये हैं और बड़ी संख्या में यात्री घायल हैं । कहते हैं कि इस ट्रेन का ड्राइवर और मालगाड़ी का गार्ड भी मारा गया है ।

रेलवे सेफ्टी के अधिकारी अपने काम में लगे हैं परन्तु इससे मरने वाले वापिस नहीं आयेंगे । प्रधानमंत्री जी जैसा ध्यान सभी ओर रखते हैं, उनसे विनती है कि कृपया रेलवे सेफ्टी को लेकर अधिकारियों को कड़ा निर्देश दें ताकि भविष्य में कोई रेल हादसा न हो । सभी की नजर प्रधानमंत्री मोदी जी की ओर आशा भरी हैं और भविष्य में सुखद परिणाम ही आयेगा ।

गर्मी के बढ़ते प्रकोप अधिकांश देश त्रस्त

जलवायु बदलाव के इस दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप से दुनिया के अधिकांश देश त्रस्त हैं, पर अधिक विकट स्थिति गरीब देशों की है। इसी तरह यदि आंतरिक स्तर पर देखें तो विभिन्न देशों, शहरों और गांवों में गर्मी का सबसे अधिक प्रकोप सबसे निर्धन लोगों को झेलना पड़ता है।बढ़ती गर्मी के द्योतक के रूप में प्रायरू तापमान के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और ये हमें काफी निश्चित तौर पर बताते हैं कि बहुत से स्थानों पर हाल के वर्षो और दशकों में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। तिस पर जहां हरियाली कम हुई है, सीमेंट–कंक्रीट का जाल बढ़ा है, वहां बढ़ती गर्मी का असर और भी घातक रूप में नजर आ रहा है। इस बारे में अनेक अध्ययन भी उपलब्ध हैं।दूसरी ओर, गर्मी के बढ़ते प्रकोप का एक ऐसा पक्ष भी है जो अति महत्तपूर्ण होते हुए भी अपेक्षाकृत उपेक्षित है।यह है आर्थिक–सामाजिक विषमता का पक्ष। जिस समाज, नगर या गांव में अधिक विषमता और अधिक असमानता होगी, वहां ऐसे साधनहीन परिवारों का प्रतिशत भी अधिक होगा जो जलवायु बदलाव के दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप और अन्य तरह के प्रतिकूल मौसम के दुष्परिणामों को सहने में कम सक्षम हैं। जहां गर्मी के बढ़ते प्रकोप और लू के थपेड़ों के बीच साधन–संपन्न व्यक्ति अपने बचाव और आराम के विभिन्न उपाय करने में समर्थ है, वहां निर्धन परिवारों के लिए यह संभव नहीं है और अनेक दिहाड़ी मजदूर परिवार के लिए रोटी और बुनियादी जरूरतों की व्यवस्था के लिए घोर गर्मी में भी मजदूरी ढूंढने के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति गांवों और शहरों, दोनों जगह देखी जा सकती है। पुरुष ही नहीं, अनेक स्थानों पर तो महिला मजदूर भी गर्मी का बहुत प्रकोप झेल रही हैं।

संविधान की दुहाई देने वाली पार्टी कांग्रेस ने ही संविधान का अपमान कर देश में आपातकाल लगाया था

हम आपको याद दिला दें कि इतिहास में 25 जून का दिन भारत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटना का गवाह रहा है क्योंकि 1975 में इस दिन तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने मनमाने तरीके से देश में आपातकाल थोप दिया था।विपक्ष ने लोकसभा चुनावों के दौरान आरोप लगाया कि यदि मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई तो संविधान खत्म कर देगी। चुनावों के बाद जब फिर से मोदी सरकार आ गयी तो लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन विपक्ष ने संविधान की प्रतियां हाथ में लेकर संसद परिसर में मार्च निकाला और सरकार को आगाह किया कि वह संविधान से कोई छेड़छाड़ नहीं करे। यहां सवाल उठता है कि क्या कोई सरकार संविधान से छेड़छाड़ कर सकती है? सवाल यह भी उठता है कि क्या आज तक संविधान से किसी ने छेड़छाड़ की है? सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत में आज तक कोई ऐसा राजनीतिज्ञ हुआ है या कोई ऐसी राजनीतिक पार्टी रही है जिसने संविधान से ऊपर अपने हितों को रखा हो। इन सब प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ेंगे तो जवाब मिलेगा कांग्रेस और इंदिरा गांधी। कांग्रेस ही वह पार्टी है और इंदिरा गांधी ही वह राजनीतिज्ञ हैं जिन्होंने अपने हितों की पूर्ति के लिए संविधान को ताक पर रख दिया था।हम आपको याद दिला दें कि इतिहास में 25 जून का दिन भारत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटना का गवाह रहा है क्योंकि 1975 में इस दिन तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने मनमाने तरीके से देश में आपातकाल थोप दिया था। हम आपको बता दें कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक की 21 महीने की अवधि में भारत में आपातकाल रहा था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार की सिफारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा की थी। देखा जाये तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद काल था। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण था कि आजादी के महज 28 साल बाद ही देश को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कारण आपातकाल के दंश से गुजरना पड़ा था। इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि काफी प्रभावित हुई थी और आज भी विश्व इतिहास में यह दर्ज है कि भारत भले लोकतंत्र की जननी है लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इस लोकतंत्र को जेल की सींखचों के पीछे डाल दिया गया था।हम आपको बता दें कि 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तानाशाह इसलिए बन गयी थीं और देश पर आपातकाल इसलिए थोप दिया था क्योंकि एक पुराना मामला राजनीतिक रूप से उनके लिए बड़ी मुश्किलों का सबब बन गया था। दरअसल 1971 में हुए लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राज नारायण को रायबरेली संसदीय क्षेत्र में पराजित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने हाईकोर्ट में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। उन्होंने दलील दी थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, चुनाव में तय सीमा से अधिक पैसे खर्च किए और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को आरोपों में दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया तथा इंदिरा गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राज नारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया।अदालत के इस फैसले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। विपक्ष इंदिरा सरकार पर हमलावर हो गया क्योंकि इंदिरा गांधी पर चुनाव के दौरान भारत सरकार के अधिकारी और अपने निजी सचिव यशपाल कपूर को अपना इलेक्शन एजेंट बनाने, स्वामी अवैतानंद को 50,000 रुपये घूस देकर रायबरेली से ही उम्मीदवार बनाने, वायुसेना के विमानों का दुरुपयोग करने, डीएम–एसपी की अवैध मदद लेने, मतदाताओं को लुभाने हेतु शराब, कंबल आदि बांटने और निर्धारित सीमा से अधिक खर्च करने जैसे 14 आरोप सिद्ध हुए थे। अदालत का फैसला सामने आते ही पूरी कांग्रेस और सरकार इंदिरा गांधी के नेतृत्व में एकजुट हो गयी और पार्टी नेताओं ने इंदिरा गांधी को इस्तीफा देने से मना किया। कांग्रेस कार्यकर्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन करने लगे और इस पूरे प्रकरण को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की साजिश बताने लगे। इंदिरा गांधी के पक्ष में नारेबाजी होने लगी। नेताओं में एक से बढ़कर एक चापलूसी वाले बयान देने की होड़ लग गयी। इसी दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' का नारा दे दिया जिससे चापलूसी की सारी हदें पार हो गयीं। पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन कांग्रेस नेता चंद्रशेखर ने हालांकि इस दौरान इंदिरा गांधी को जयप्रकाश नारायण से नहीं उलझने की सीख देकर उन दोनों नेताओं के बीच वार्ता कराने का प्रस्ताव दिया था लेकिन कांग्रेस में उनकी किसी ने नहीं सुनी। इंदिरा गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को नहीं स्वीकार किया और न्यायपालिका का उपहास कर फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली।इस बीच, इंदिरा गांधी का हठ देखकर समूचा विपक्ष एकजुट हो गया और न्यायालय द्वारा अयोग्य घोषित इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गयी। पूरा विपक्ष राष्ट्रपति भवन के सामने धरना देकर विरोध दर्ज करा रहा था। इसके अलावा देश भर के शहर, जलसे, जुलूस और विरोध प्रदर्शन के गवाह बन रहे थे। 22 जून 1975 को दिल्ली में आयोजित रैली को जयप्रकाश नारायण समेत कई अन्य बड़े नेता संबोधित करने वाले थे। यह खबर सामने आते ही कांग्रेस इतनी डर गयी थी कि उसने कोलकाता–दिल्ली के बीच की वह उड़ान ही निरस्त करा दी जिससे जयप्रकाश नारायण दिल्ली आने वाले थे। इसी बीच, 24 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा गांधी की उस याचिका पर फैसला सुना दिया जिसके तहत उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, हालांकि इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बने रहने की इजाजत दे दी। इस फैसले से विपक्ष में जहां नया जोश आ गया वहीं इंदिरा गांधी बौखला गयीं।विपक्ष की जो जनसभा दिल्ली के रामलीला मैदान में 22 जून को होने वाली थी वह आखिरकार 25 जून को हुई। खचाखच भरे रामलीला मैदान में 'महंगाई और भ्रष्टाचार, सत्ता सब की जिम्मेदार', 'हिंदू–मुस्लिम सिख–ईसाई, सबके घर में है महंगाई', 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है', जैसे तमाम नारे गूंजते रहे। जनसभा को तमाम विपक्षी नेताओं ने संबोधित किया और जब जयप्रकाश नारायण मंच पर आये तब उन्होंने स्पष्ट शब्दों में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग कर डाली और इंदिरा गांधी सरकार के अस्तित्व को मानने से इंकार कर दिया। जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी के इस्तीफा देने तक देश भर में रोज प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इस आह्वान के तुरंत बाद जनता जब सड़कों पर उतरने लगी तो इंदिरा गांधी सरकार की हालत बिगड़ने लगी। इसलिए रामलीला मैदान में विपक्ष की जनसभा के कुछ घंटों बाद ही तत्कालीन सरकार ने भारत में लोकतंत्र का गला घोंट दिया।

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो।सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है?1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी–नेहरू परिवार के चश्म–ए–चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली।पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है।कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशरू 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है। सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने–अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना–देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी।बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा।

नई लोकसभा, नए प्रतिनिधि, शपथ ग्रहण में नीट की गूंज

नई लोकसभा के नए सदस्यों ने शपथ ले ली। जो बाकी हैं उनकी शपथ मंगलवार को होगी। इस बार नई लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन की सबसे खघस बात यह रही कि इंडिया अलायंस के सभी चुने हुए सदस्य अपने हाथ में संविधान की किताब लेकर आए थे। सही भी है, उन्हें लगता है कि संविधान बचाने का नारा देकर ही वे खुद को या ये कहें कि विपक्ष को इतना मजबूत कर पाए हैं। यही वजह है कि वे इस मुद्दे को छोड़ना नहीं चाहते। वर्ना इससे पहले तो विपक्ष नाम मात्र का रह गया था।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जब शपथ ग्रहण करने के लिए उठे तो विपक्ष ने जमकर नारेबाजी की। दरअसल, नीट में हुई धांधली को लेकर विपक्ष पहले से ही हमलावर है। शिक्षा मंत्री के सामने उसने नीट– नीट चिल्लाना शुरू कर दिया। ताजा हालात में विपक्ष के पास नीट ही सबसे बड़ा ऐसा मुद्दा है जिसपर वह सरकार को घेर सकता है। वैसे भी सरकार इस मामले में फिलहाल कोई निर्णय नहीं कर पा रही है।

हालाँकि मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इस बीच कुछ कार्रवाई सरकार की तरफ से भी की गई है लेकिन नीट को रद्द करके दोबारा परीक्षा करवाने के निर्णय तक अभी पहुँचा नहीं जा सका है। शायद सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ही निर्भर है। वह अपनी तरफ से नीट रद्द करने से बच रही है।

बहरहाल, यह सही है कि पहले राजस्थान में हुई कई परीक्षाओं के पर्चे लीक हुए और अब केंद्रीय एजेंसियों द्वारा करवाई जाने वाली परीक्षाओं में निकल रही नई– नई धाँधलियों ने बच्चों और उनके पेरेंट्स के मन में भ्रांति पैदा कर दी है। कोई भी प्रतियोगी परीक्षा से पहले बच्चों को यह शंका रहती है कि कहीं पर्चे लीक न हो जाएँ वर्ना दोबारा फिर परीक्षा देनी पड़ेगी और साल खघराब होगा से अलग!

ऐसे मामलों में सरकारें जब तक तुरंत कार्रवाई करने के मोड पर नहीं आएँगी तब तक ढर्रा बदलने वाला नहीं है। बच्चों और उनके पेरेंट्स के मन में विश्वास पैदा करना तो बहुत दूर की बात है।

पाकिस्तान पर खतरनाक वायरस अटैक, टेंशन में शहबाज सरकार

पाकिस्तान में कांगो वायरस का यह इस साल का अब तक का 13वां मामला है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक कांगो वायरस से संक्रमित एक शख्स की अब तक जान भी जा चुकी है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग ने तेजी से फैल रहे कांगो वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया है। दुनिया अभी कोरोना कल को भूल भी नहीं पाई है कि अब पड़ोसी देश पाकिस्तान से एक और वायरस की खबरें सामने आ रही है। पाकिस्तान में कांगो वायरस ने कहर बरपा रखा है। मामले लगातार बढ़ रहे हैं और जिस वजह से पाकिस्तान सरकार की चिंताएं लगातार बढ़ रही है। दरअसल, पाकिस्तान के कई शहरों से खतरनाक कांगो वायरस से संक्रमण की खबरें सामने आ रही हैं। कांगो वायरस का ताजा मामला पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त से सामने आया है। जहां 32 साल के युवक में कांगो वायरस की पुष्टि हुई है। कांगो वायरस से पीड़ित ये युवक सैफुल्लाह जिले का रहने वाला है।पाकिस्तान में कांगो वायरस का यह इस साल का अब तक का 13वां मामला है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक कांगो वायरस से संक्रमित एक शख्स की अब तक जान भी जा चुकी है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग ने तेजी से फैल रहे कांगो वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया है। लोगों को बुखार, पीठ में दर्द, उल्टी, सिरदर्द, दस्त, मांसपेशियों में दर्द, गले मे खराश होने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक कांगो वायरस भेड़ बकरियों, खरगोश जैसे मवेशियों से फैलता है। इससे पहले, कांगो वायरस से पीड़ित एक 18 वर्षीय युवक ने पेशावर में अंतिम सांस ली। कुछ लक्षणों के बाद मरीज का ध्यान 17 मई को खैबर टीचिंग हॉस्पिटल ले जाया गया। सूत्रों का हवाला देते हुए एआरवाई न्यूज ने बताया कि मरीज को तेज बुखार, शरीर में दर्द और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो रहे थे। चिकित्साकर्मियों और परिवार के सदस्यों सहित रोगी के संपर्कों में किसी अन्य कांगो वायरस के मामले की पहचान नहीं की गई है।

स्पेससूट' से पानी के रिसाव के बाद नासा ने अंतरिक्ष पर चहलकदमी की योजना रद्द की

'स्पेससूट' अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पहना जाने वाला विशेष परिधान होता है। अंतरिक्ष यात्रियों ट्रेसी डायसन और माइक बैरेट ने अंतरिक्ष स्टेशन के 'एयरलॉक' के 'हैच' को खोला तभी डायसन ने अपने 'स्पेससूट' की शीतलन प्रणाली से पानी के रिसाव की सूचना दी जिसके बाद अंतरिक्ष पर चलहकदमी की योजना रद्द कर दी गई। वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) ने एक अंतरिक्ष यात्री के 'स्पेससूट' से पानी के रिसाव के बाद 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन' पर अंतरिक्ष में चहलकदमी की योजना रद्द कर दी गई। 'स्पेससूट' अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पहना जाने वाला विशेष परिधान होता है। अंतरिक्ष यात्रियों ट्रेसी डायसन और माइक बैरेट ने अंतरिक्ष स्टेशन के 'एयरलॉक' के 'हैच' को खोला तभी डायसन ने अपने 'स्पेससूट' की शीतलन प्रणाली से पानी के रिसाव की सूचना दी जिसके बाद अंतरिक्ष पर चलहकदमी की योजना रद्द कर दी गई। बैरेट ने कहा, यहां अब हर जगह पानी है। नासा ने बताया कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को कोई खतरा नहीं है। इन अंतरिक्ष यात्रियों को खराब हो चुके एक संचार बॉक्स को हटाना था तथा अंतरिक्ष में घूमती प्रयोगशाला के बाहर से सूक्ष्मजीवों के नमूने एकत्र करने थे। इस महीने की शुरुआत में भी एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को "स्पेससूट में असुविधा" होने के बाद अंतरिक्ष में चहलकदमी के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था।

कितनी दिवाली आई और गुजर गई, लेकिन...ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने भारत का नाम लेकर अपनी सरकार पर क्यों निकाली भड़ास ?

भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते पर चुनाव संपन्न होने के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत–यूके एफटीए के लिए अब तक कुल 13 दौर की बातचीत हो चुकी है और 14वां दौर 10 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ।यूके के छाया विदेश सचिव और लेबर पार्टी के नेता डेविड लैमी ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की और नई दिल्ली और लंदन के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया। लेबर नेता ने 2010 से ब्रिटेन में सत्ता पर काबिज कंजर्वेटिव सरकार की भी आलोचना की है। साथ ही उन्होंने नई दिल्ली और लंदन के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर भी जोर दिया। भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते पर चुनाव संपन्न होने के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत–यूके एफटीए के लिए अब तक कुल 13 दौर की बातचीत हो चुकी है और 14वां दौर 10 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ। लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए लैमी ने कहा कि हमें एक रीसेट की आवश्यकता है। हमारा हमारा मानना घ्ह्है कि जब भारत की बात आती है तो परंपरावादी बार–बार जरूरत से ज्यादा वादे करते हैं और पूरा नहीं करते। सीतारमण, गोयल के लिए ब्रिटेन के मंत्री का संदेश कई दिवाली बिना किसी व्यापार समझौते के आईं और चली गईं और बहुत से व्यवसायों को इंतजार करना पड़ा। मंत्री निर्मला सीतारमण और मंत्री गोयल को मेरा संदेश है कि लेबर पार्टी जाने के लिए तैयार है। इए आखिरकार अपना मुक्त व्यापार समझौता पूरा करें, खत्म करें और आगे बढ़ें।श दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता जनवरी 2022 में शुरू हुई। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार के लिए ष्महत्वाकांक्षीष परिणाम सुरक्षित करना है – आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में इसका मूल्य लगभग 38.1

बिलियन जीबीपी प्रति वर्ष है। यूके के छाया सचिव ने आगे कहा कि भारत–यूके संबंधों में अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है, उन्होंने कहा कि जो कोई भी पद पर है, उससे आगे जाने की जरूरत है।

भारत का नाम लेकर अपनी सरकार पर क्यों निकाली भड़ास ?

भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते पर चुनाव संपन्न होने के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत–यूके एफटीए के लिए अब तक कुल 13 दौर की बातचीत हो चुकी है और 14वां दौर 10 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ।यूके के छाया विदेश सचिव और लेबर पार्टी के नेता डेविड लैमी ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की और नई दिल्ली और लंदन के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया। लेबर नेता ने 2010 से ब्रिटेन में सत्ता पर काबिज कंजर्वेटिव सरकार की भी आलोचना की है। साथ ही उन्होंने नई दिल्ली और लंदन के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर भी जोर दिया। भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते पर चुनाव संपन्न होने के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत–यूके एफटीए के लिए अब तक कुल 13 दौर की बातचीत हो चुकी है और 14वां दौर 10 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ। लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए लैमी ने कहा कि हमें एक रीसेट की आवश्यकता है। हमारा हमारा मानना घ्ह्है कि जब भारत की बात आती है तो परंपरावादी बार–बार जरूरत से ज्यादा वादे करते हैं और पूरा नहीं करते। सीतारमण, गोयल के लिए ब्रिटेन के मंत्री का संदेश कई दिवाली बिना किसी व्यापार समझौते के आईं और चली गईं और बहुत से व्यवसायों को इंतजार करना पड़ा। मंत्री निर्मला सीतारमण और मंत्री गोयल को मेरा संदेश है कि लेबर पार्टी जाने के लिए तैयार है। इए आखिरकार अपना मुक्त व्यापार समझौता पूरा करें, खत्म करें और आगे बढ़ें।श दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता जनवरी 2022 में शुरू हुई। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार के लिए ष्महत्वाकांक्षीष परिणाम सुरक्षित करना है – आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में इसका मूल्य लगभग 38.1 बिलियन जीबीपी प्रति वर्ष है। यूके के छाया सचिव ने आगे कहा कि भारत–यूके संबंधों में अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है, उन्होंने कहा कि जो कोई भी पद पर है, उससे आगे जाने की जरूरत है।

गाजा में युद्ध समाप्त करने के समझौते पर सहमत नहीं होंगे

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे केवल आंशिक युद्धविराम के समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार होंगे, जिससे युद्ध समाप्त नहीं होगा। नेतन्याहू की इस टिप्पणी से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों में आक्रोश फैल गया। इससे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की व्यवहारिकता पर बादल छा गए।तेल अवीव । गाजा में आठ महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की व्यवहारिकता पर सोमवार को उस समय संदेह के बादल छा गए जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे केवल आंशिक युद्धविराम के समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार होंगे, जिससे युद्ध समाप्त नहीं होगा। नेतन्याहू की इस टिप्पणी से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों में आक्रोश फैल गया। रविवार देर रात इजराइली चौनल 14 पर प्रसारित एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में अब भी बंधक बनाए गए लगभग 120 लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि वह आंशिक समझौता करने के लिए तैयार हैं और यह कोई रहस्य नहीं है जिससे हमें कुछ लोग वापस मिल जाएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन हम हमास को खत्म करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक विराम के बाद युद्ध जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इसे छोड़ने को तैयार नहीं हूं। नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे संवेदनशील समय में आई है जब इजराइल और हमास नवीनतम युद्ध विराम प्रस्ताव को लेकर और भी दूर होते दिख रहे हैं और यह युद्ध को समाप्त करने की कोशिश कर रहे मध्यस्थों के लिए एक और झटका हो सकता है। उनका कहना है कि इजराइल अब भी हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करेगा कि वह फिर कभी सात अक्टूबर जैसा हमला न कर सके। साक्षात्कार में नेतन्याहू ने कहा कि लड़ाई का वर्तमान चरण समाप्त हो रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि युद्ध समाप्त हो गया है।

रूस ने हमलों में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल पर अमेरिकी राजदूत को तलब किया

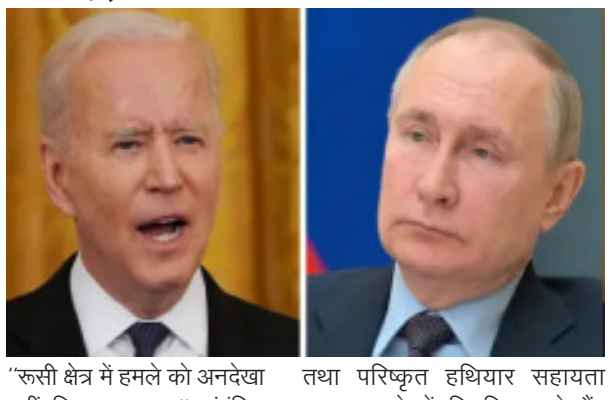

रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर यूक्रेन के हमले में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल को लेकर रूसी विदेश मंत्रालय ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए यहां अमेरिकी राजदूत को तलब किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं।मास्को । रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर यूक्रेन के हमले में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल को लेकर रूसी विदेश मंत्रालय ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सोमवार को यहां अमेरिकी राजदूत को तलब किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिका, यूक्रेन के युद्ध में "प्रभावी रूप से एक पक्ष बन गया है" और "निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई की जाएगी।" क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था। रूसी अधिकारियों ने कहा कि रविवार के हमले में मारे गए लोगों में दो बच्चे भी शामिल थे, जो क्रीमिया के बंदरगाह शहर सेवस्तोपोल के तटीय क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा दागी गई मिसाइलों के मलबे की चपेट में आ गए। रूसी अधिकारियों ने कहा कि हमलों में क्लस्टर हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि लड़ाकों की तुलना में आम नागरिकों को इससे ज्यादा नुकसान होता है। रूस ने कहा कि ये मिसाइलें अमेरिका में बनी एटीएसीएमएस थीं, जो लंबी दूरी की निर्देशित मिसाइल है। रूस ने अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को विदेश मंत्रालय में तलब किया। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि "रूसी क्षेत्र में हमले को अनदेखा नहीं किया जाएगा।" संबंधित घटनाक्रम पर फिलहाल यूक्रेन और अमेरिकी अधिकारियों की प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है। रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन की सेना पश्चिमी देशों से मिलने वाले हथियारों पर काफी हद तक निर्भर रही है। हालांकि, कुछ पश्चिमी देश रूस की नाराजगी के कारण यूक्रेन की सेना को और ज्यादा तथा परिष्कृत हथियार सहायता प्रदान करने में हिचकिचा रहे हैं। स बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यूक्रेनी सेना के एक "प्रमुख सैन्य ठिकाने" को निशाना बनाने की सूचना दी, जिसमें पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति की गई मिसाइलें और अन्य हथियार रखे हुए थे। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला लड़ाकू विमानों, ड्रोन, जमीन से दागी जाने वाली मिसाइलों और तोपखाने द्वारा किया गया।

27 जून को रात 9 बजे 90 मिनट की बहस, राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप–बाइडेन होंगे आमने–सामने

अर्कांसस विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर पैट्रिक स्टीवर्ट के अनुसार, यह बहस प्रारूप दोनों उम्मीदवारों को उनके आराम क्षेत्र से बाहर कर देगा और उन्हें चुनौतीपूर्ण प्रश्नों के लिए तैयार करने की आवश्यकता होगी।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, और उनके पूर्ववर्ती और रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प, अटलांटा, जॉर्जिया में 27 जून को रात 9 बजे ईटी में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रपति बहस की तैयारी कर रहे हैं। 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले यह पहली बहस होगी। 90 मिनट की सीएनएन बहस में बोलने की सख्त सीमा, नोट्स पर प्रतिबंध और प्रतिक्रिया देने के लिए कोई दर्शक नहीं होगा। दोनों उम्मीदवार, बाइडेन और ट्रम्प राष्ट्रीय जनमत सर्वेक्षणों में कड़ी टक्कर में हैं। चुनाव से पांच महीने पहले भी कई मतदाता अभी भी अनिर्णीत हैं। स्वतंत्र राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर बहस के लिए अर्हता प्राप्त नहीं कर पाए, जिससे मंच बिडेन और ट्रम्प के लिए छोड़ दिया गया। अर्कांसस विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर पैट्रिक स्टीवर्ट के अनुसार, यह बहस प्रारूप दोनों उम्मीदवारों को उनके आराम क्षेत्र से बाहर कर देगा और उन्हें चुनौतीपूर्ण प्रश्नों के लिए तैयार करने की आवश्यकता होगी। बहस दोनों उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण होगी, जो अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए अब तक के सबसे उम्रदराज उम्मीदवार हैं। इसे उनकी संज्ञानात्मक क्षमताओं की एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में देखा जाता है। रॉयटर्स ने स्टीवर्ट के हवाले से कहा कि यह उनकी संज्ञानात्मक क्षमता का एक अविश्वसनीय परीक्षण है। यह हमारे लिए यह देखने का मौका है कि उनमें कितनी गिरावट आई है या उन्होंने गिरावट की है या नहीं। बाइडेन वर्तमान में कैंप डेविड में हैं अपने पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन के नेतृत्व में अपने सहयोगियों के साथ बहस की तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्लेन ने मार्च में बिडेन के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की तैयारी में भी सहायता की।

जिंगपिंग का नया आर्डर, अपने ही लोगों पर गोली चलाने के लिए तैयार पाकिस्तान की सेना

पाकिस्तान के आर्मी चीफ अब चीन के इशारों पर गोलियां चलाएंगे। यानी पाकिस्तान की सेना अब अपने ही लोगों पर गोली चलाने के लिए तैयार है। आतंकियों को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अब टेररिज्म के खिलाफ ऑपरेशन का नाटक करने जा रहा है। चीन का दवाब बढ़ने के बाद पाकिस्तान ने ये फैसला लिया है। एक दिन पहले ही जिनपिंग के मिनिस्टर ने पाकिस्तान में कड़ा बयान दिया था। माना जा रहा है कि इसके बाद ही शहबाज शरीफ फैसला लेने के लिए मजबूर हुए हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि जो पाकिस्तान आतंकी बनाता है उसकी सेना टेरर के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन लॉन्च करेगी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ अब चीन के इशारों पर गोलियां चलाएंगे। यानी पाकिस्तान की सेना अब अपने ही लोगों पर गोली चलाने के लिए तैयार है। जिनपिंग के इशारे पर पाकिस्तानी जनरल एक मिलिट्री ऑपरेशन लॉन्च करेंगे। जिसे पाकिस्तान के सभी राज्यों में चलाया जाएगा। पाकिस्तान की सेना अपने मुल्क में मौजूद आतंकियों को खत्म करेगी। लेकिन खुद पाकिस्तान की संसद में इसका विरोध हो रहा है। पाकिस्तान की संसद में आर्मी और शहबाज शरीफ को चौलेंज करते हुए चूड़ियों की बात हुई। विरोध ा की वजह पाकिस्तान सेना का बदनाम रिकॉर्ड रहा है। 2014 में पाकिस्तान की सेना ने नार्थ वजीरीस्तान में जर्ब ए अज्ब नाम से ऑपरेशन चलाया था। पाकिस्तान ने दावा किया की इस मिलिट्री ऑपरेशन में 3500 से ज्यादा आतंकी मारे गए लेकिन 490 सैनिकों की भी मौत हो गई। हालांकि खुद पाकिस्तान में सेना के दावों पर भी सवाल उठे। ऐसी खबरें आई कि पाकिस्तान की सेना ने निर्दोष लोगों की हत्याएं की है। जिससे आतंकवाद खत्म होने के बदले और बढ़ गया है। एक खबर ये भी है कि पाकिस्तान ने दस साल पहले भी चीन के इशारे पर ऑपरेशन किया था।

दक्षिण कोरिया ने सियोल की ओर फिर से गुब्बारे छोड़े, दक्षिण कोरिया में कचरा गिराने की संभावना

बयान में, दक्षिण कोरिया के लोगों से इन गुब्बारों को न छूने की अपील की गई है तथा इस बारे में सेना और पुलिस अधिकारियों को सूचित करने को कहा गया है। गुब्बारे दक्षिण (कोरिया) की ओर बढ़ रहे हैं।उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर फिर से गुब्बारे छोड़े हैं, जिन पर संभवतरू कचरा रखा हुआ है। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि गुब्बारे दक्षिण (कोरिया) की ओर बढ़ रहे हैं। बयान में, दक्षिण कोरिया के लोगों से इन गुब्बारों को न छूने की अपील की गई है

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास, पहली बार टी 20 World Cup के सेमीफाइनल में बनाई जगह

विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। किंग्सटाउन। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आई। कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया जिसके पास अभ्यास के लिये खुद का मैदान तक नहीं है। इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही जिन्होंने इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया। अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी। इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाये। शानदार फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाये और 43 रन बनाने के लिये 55 गेंदें खेल डाली। जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17 . 5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया। राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ाते रहे। बारिश के कारण खेल कई बार रूका। अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही। गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नयी गेंद से विकेट लिये। शुरूआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद नवीनुल ने नजमुल हुसैन शांतो और शाकिब अल हसन के कीमती विकेट लिये। बांग्लादेश का स्कोर उस समय तीन विकेट पर 31 रन था जब बारिश के कारण खेल रूका। खेल बहाल होने पर पावरप्ले के छह ओवर में उसने तीन विकेट पर 46 रन बना लिये थे। ऐसे में राशिद ने गेंद संभाली और लगातार ओवरों में विकेट लिये। उन्होंने लगातार दो विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करके न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पछाड़ा। एक बार फिर बारिश से खलल पड़ा जब बांग्लादेश डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पीछे थी। ऐसे में अफगानिस्तान के हरफनमौला गुलबदिन नायब अचानक ऐंठन के कारण गिर पड़े जिसे खेल में विलंब करने का शिगूफा माना जा रहा है। उधर खेल बहाल होने पर लिटन ने स्क्वेयर लेग में चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। नवीनुल ने बांग्लादेश के नौवें और दसवें नंबर के बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर कैरेबियाई धरती से काबुल तक अपने प्रशंसकों को जश्न में सराबोर कर दिया। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के खिलाड़ी खुलकर खेल नहीं पा रहे थे। बांग्लादेश को 11वें ओवर में सफलता मिली जब जदरान (29 गेंद में 18 रन) ने हुसैन की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। विकेट से मिल रही मदद का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों ने रनगति बढने नहीं दी। तस्कीन अहमद ने गुरबाज के सामने एक मैडन ओवर डाला जिसके बाद शाकिब अल हसन ने अगले ओवर में तीन ही रन दिये। गुरबाज ने 14वें ओवर में दो चौके समेत 13 रन निकाले। मुस्ताफिजूर रहमान और हुसैन ने दस गेंद के भीतर तीन विकेट निकालकर अफगानिस्तान के बड़ा स्कोर बनाने के मंसूबों पर पानी फेर दिया। कप्तान राशिद ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया।

घरेलू सत्र से पहले बीसीसीआई के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की बैठक

जय शाह ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान–प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई।सचिव जय शाह सहित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान–प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई।भारत का घरेलू सत्र 2024–25 दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी जिसे पहली बार दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। ऐसा उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और उबरने के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से किया गया है। यहां वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से उनकी प्रतिक्रिया भी मांगी।राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया है। बीसीसीआई का लक्ष्य एक साल बाद इसकी समीक्षा करना है। बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''बैठक में 2023–24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ–साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल है।''राज्य संघों से आने वाले सत्र में खिलाड़ियों के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया गया जबकि उन्हें बेंगलुरू में नए उत्कृष्टता केंद्र के विकास और पूर्वोत्तर राज्यों, पटना और जम्मू में इनडोर अकादमियों की स्थापना के बारे में जानकारी दी गई।

अगर पाकिस्तान दौरे पर आई टीम इंडिया तो क्या होगा? वसीम अकरम ने बताई ये बात

भारत के चौंपियंस ट्रॉफी में खेलने या न खेसने के सवाल के बीच पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कुछ उम्मीदें जताई हैं। वसीम ने आशा जताई है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरान करेगी। चौपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान में होने वाली है। इसमें भारत समेत कुल सात देश हिस्सा लेंगे।चौपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान में होने वाली है। इसमें भारत समेत कुल सात देश हिस्सा लेंगे। हालांकि, भारत और पाकिस्तान में मैच खेलने जाएगा या नहीं, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। भारत और होस्ट पाकिस्तान के अलावा, चौंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान हैं। भारत के चौंपियंस ट्रॉफी में खेलने या न खेसने के सवाल के बीच पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कुछ उम्मीदें जताई हैं। वसीम ने आशा जताई है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरान करेगी। हम कर रहे हैं इंतजारसाथ ही वसीम अकरम ने कहा कि, मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय टीम चौंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए पाकिस्तान जरूर आएगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश सभी टीमों का इंतजार कर रहा है। हम उनका शानदार स्वागत करने के लिए तैयार हैं। अकरम ने आगे कहा कि हमारे पास अच्छी सुविधाएं हैं। हम नए स्टेडियम पर भी काम रहे हैं। लाहौर, कराची और इस्लामाबाद में नए स्टेडियम तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि ये एक बेहतरीन टूर्नामेंट होगा और पाकिस्तान को इसी की जरूरत है। बता दें कि, साल 2006 के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। पिछले लंबे अरसे से दोनों टीमें स्रिफ आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान ही आमने–सामने हुई हैं। इसकी वजह है, दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते। चौंपियंस ट्रॉफी में भारत का हिस्सा लेगा या नहीं, इसको लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। बीसीसीआई का कहना है कि भारत सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही इस बारे में कोई फैसला लेगी।

भारत ने अश्वस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया, अब इंग्लैंड से होगी सेमीफाइनल की जंग

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला सेंट लूसिया के डैरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ ही पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार का बदला ऑस्ट्रेलिया से ले लिया है। भारतीय टीम ग्रुप 1 में विजयी रहकर सेमीफाइनल में पहुंच गई है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर–8 राउंड में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला सेंट लूसिया के डैरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ ही पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार का बदला ऑस्ट्रेलिया से ले लिया है। भारतीय टीम ग्रुप 1 में विजयी रहकर सेमीफाइनल में पहुंच गई है। अब उसका मुकाबला 27 जून इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल के लिए होगा। मैच की बात करें तो, भारत ने टॉस गंवाकर रोहित शर्मा की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत टीम इंडिया ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर महज 181 रन ही बना सकी। जहां रोहित ने 41 गेंदों पर 92 रन की तूफानी पारी खेली, तो सूर्यकुमार यादव ने 31 और शिवम दुबे ने 28 रन बनाए। हार्दिक पंड्या 27 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस ने 2–2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड ने 43 गेंद पर 76 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। उन्होंने वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023 और वनडे वर्ल्ड कप फाइनल 2023 में शतक लगाकर भारत का सपना तोड़ा था। वह इस बार वैसा कमाल दिखाने में नाकामयाब रहे हैं।

रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत टी20 में पूरे किए 200 छक्के, तोड़ा बाबर आजम का ये रिकार्ड

रोहित शर्मा ने 92 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। वही टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित शर्मा के टी20आई में अब 157 मैचों में 4165 रन हो गए हैं जबकि बाबर आजम के 123 मैचों में 4145 रन हैं।टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने मैदान पर आते ही बेहद आक्रामक अंदाज में खुद को चार्ज करना शुरू कर दिया और 92 की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि, वो अपना शतक लगाने से चूक गए। अपनी इस पारी के दम पर रोहित शर्मा टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।रोहित ने पूरे किए 200 छक्केइसके साथ ही रोहित शर्मा ने इस मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 19 गेंदों में 5 छक्केक और 4 चौकों की मदद से पूरा किया और फिर उन्होंने इस मैच में 41 गेंदों में 92 की शानदार पारी खेलकर आउट हो गए। ये टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर रहा। रोहित ने अपनी पारी में लगातार 8 छक्कों की मदद से 200 छक्के पूरे किए और ऐसा करने वाले वो दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा छक्के203– रोहित शर्मा 173– मार्टिन गप्टिल137– जोस बटलरबाबर आजम को पछाड़ इसके साथ ही रोहित शर्मा ने 92 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। वही टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित शर्मा के टी20आई में अब 157 मैचों में 4165 रन हो गए हैं जबकि बाबर आजम के 123 मैचों में 4145 रन हैं। वहीं इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर विराट कोहली 4103 रन हैं।

जोश हेजलवुड के शिकार बने विराट कोहली, इस साल टी20 की आठ पारियों में हुए डक आउट

विराट कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। ओपनिंग करना उनके लिए मुश्किल बनता जा रहा है। मौजूदा टूर्नामेंट में वह दूसरी बार शून्य पर आउट हुए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 51वें मैच में ऑस्ट्रेलिया के घातक गेंदबाज जोश हेजलवुड ने विराट को दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर टिम डेविड के हाथों कैच आउट कराया।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर–8 मुकाबले में विराट कोहली के रूप में भारत को पहला झटका लगा। ग्रॉस आईलेट के डैरेन सैमी स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में कोहली को जोश हेजलवुड ने डक आउट किया है। कोहली एक बार फिर फ्लॉपटीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। ओपनिंग करना उनके लिए मुश्किल बनता जा रहा है। मौजूदा टूर्नामेंट में वह दूसरी बार शून्य पर आउट हुए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 51वें मैच में ऑस्ट्रेलिया के घातक गेंदबाज जोश हेजलवुड ने विराट को दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर टिम डेविड के हाथों कैच आउट कराया। इस दौरान उन्होंने पांच गेंदों का सामना किया है। तीसरी बार शून्य पर आउट हुए कोहली मौजूदा टूर्नामेंट में ये दूसरा मौका है जब कोहली बिना खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

3,000 साल पुरानी पद्धति से करें चेहरे का इलाज, मुंहासों से मिलेगा झटपट निजात

मुंहासों से तंग आ चुके हैं और छुटकारा पाना चाहते हैं तो फेस मैपिंग की मदद ले सकते हैं. इससे कुछ ही दिनों में चेहरे से दाने गायब हो सकते हैं. दरअसल, मुंहासे निकलने पर हम सभी हर तरह से समाधान करने की कोशिश करते हैं लेकिन उसका सही कारण न पता होने से समस्या जल्दी खत्म नहीं होती है. कई बार हम त्वचा की गहराईयों तक नहीं पहुंच पाते हैं और इन दानों का सही इलाज नहीं हो पाता है. इसमें फेशियल मैपिंग काफी मददगार हो सकती है. जानिए इसके बारें में...

फेस मैपिंग क्या है

चेहरे पर मुंहासों के घावों के पैटर्न की पहचान फेशियल मैपिंग या फेस मैपिंग (स्नडुष्द्ग रूडुश्चश्चद्बठ्ठद्द) से की जाती है. एक एक ऐसा तरीका है, जिसमें अंदरुनी कारणों का पता कर सही इलाज चुनने में मदद मिलती है. फेस मैपिंग करीब 3 हजार साल पुरानी त्वचा इलाक की पद्धति है. चेहरे पर एक्ने की समस्या दूर करने के लिए ये प्रक्रिया काफी कारगर मानी जाती है.

वैज्ञानिक तौर पर भी फेस मैपिंग सेहतका हाल–चाल बताते हैं. फेस मैपिंग से चेहरे पर लालिमा, फूड एलर्जी की वजह से चकत्ते, लाइंस, सूजन और झुर्रियों का इलाज किया जा सकता है. इस प्रक्रिया में चेहरे को कम से कम 10 भागों में बांटा गया है.

एक्ने क्यों होता है

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब चेहरे को सही तरह साफ नहीं किया जाता है तो दाने निकलने लगते हैं. इसकी वजह से स्किन के पोर्स ब्लॉक हो जाते हैं. कई बार दूसरी समस्याओं की वजह से भी पिंपल्स निकल आते हैं. शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी कोई प्रॉब्लम होने पर चेहरे पर दाने आ जाते हैं. स्किन एक्सपर्ट्स का मानना है कि स्किन में होने वाली एलर्जी, रेडनेस, एक्ने, दाने या कोई भी प्रॉब्लम कई तरह की बातों पर निर्भर करता है. जैसे एलर्जी, गलत खानपान, तनाव, हार्मोन का असंतुलन, उम्र और जेनेटिक. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फेशियल मैपिंग से स्किन पर अलग–अलग हिस्सों पर निकलने वाले दानों के मुख्य वजहों का पता लगाया जा सकता है.

चेहरे के अलग–अलग भाग पर दाने निकलने के कारण

1. 2019 में एक स्टडी के मुताबिक, लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से चेहरे पर कई समस्याएं हो सकती हैं.2. पाचन सही न होने से चेहरे पर दाने निकल सकते हैं.3. हेयरलाइन पर दाने निकलने का मतलब है कि आप तनाव में हैं, जिससे टेस्टोस्टेरोन जैसे एंड्रोजेनिक हार्मोन बढ़ रहे हैं और हार्मोन असंतुलित हो रहे हैं.

4. गालों पर दाने निकलने का मतलब है कि सांस की कोई परेशानी है. मतलब रेस्पिरेटरी सिस्टम सही तरह काम नहीं कर रहा है. ऐसे में रोजाना ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें.

5. भौंह, नाक और ठुड्डी पर दाने निकलने का मतलब है कि आपको एलर्जी हो गई है. त्वचा संबंधी कोई समस्या या पचान की दिक्कतें भी इसका कारण हो सकती है. ऐसे मं खानपान में बदलाव करें.

6. नाक पर दाने निकलने का मतलब है कि लिवर और किडनी सही तरह काम नहीं कर रहे हैं. ये दाने ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसे गैर–सूजन वाले घाव की तरह नजर आ सकेत हैं, जो दिल की किसी बीमारी या हाई ब्लड प्रेशर की ओर इशार कर सकते हैं.

जानें लेजर हेयर रिमूवल कराने का सही वक्त, नहीं तो हो सकता है स्किन को नुकसान

अधिकतर लोग बालों को रिमूव करने के लिए वैक्सीन और शेविंग का इस्तेमाल करते हैं. इनमें खासकर महिलाएं हर महीने बालों को रिमूव करने के लिए वैक्स का इस्तेमाल करती है. लेकिन क्या आप जानती हैं, लेजर ट्रीटमेंट की मदद से भी आप आसानी से हेयर रिमूव कर सकती हैं.ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें लेजर हेयर ट्रीटमेंट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है. ऐसे में लोग कई गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उन्हें बाद में पछतावा होने लगता है. लेकिन आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताएंगे. आइए जानते हैं उन जरूरी बातों के बारे में.लेजर हेयर ट्रीटमेंटशरीर पर अनचाहे बालों को हटाने के लिए लेजर हेयर रिमूवल टेक्निक काफी उपयोगी मानी गई है. यह बाकी तरीकों से बहुत सरल तकनीक है. यही नहीं यह तकनीक बाकी तकनीक के मुताबिक कम दर्द वाली होती है. अगर आपकी त्वचा गोरी है, तो ये आपके लिए काफी उपयोगी माना गया है.इस तकनीक से अगर आप हेयर रिमूव कराती हैं, तो इससे आपकी स्किन को कम नुकसान होगा. अगर आप अपने शरीर से अनचाहे बालों को हटाना चाहती हैं, तो 3 से 5 बार लेजर हेयर रिमूवल का प्रयोग करें, लेकिन लेजर हेयर रिमूवल किन लोगों को और किस समय नहीं करना चाहिए, यह जानना बहुत जरूरी होता है. आइए जानते हैं क्यों प्रेगनेंसी में लेजर हेयर रिमूवल नहीं करना चाहिए. प्रेगनेंसी में लेजर हेयर रिमूवलजानकारी नहीं होने की वजह से अवसर प्रेग्नेंट महिलाएं भी लेजर हेयर ट्रीटमेंट करने पहुंच जाती है. लेकिन प्रेगनेंसी के वक्त ऐसा नहीं करना चाहिए, इससे बच्चों को खतरा रहता है. इसलिए लेजर हेयर ट्रीटमेंट करने से पहले प्रेग्नेंट महिलाएं डॉक्टर की सलाह जरूर लें. इस ट्रीटमेंट के बाद बालों की ग्रोथ लंबे समय तक नहीं आती है, हेयर रिमूवल के लिए करीब 6 ट्रीटमेंट लेने होते हैं, जब जाकर यह पूरे तरीके से काम करता है.स्किन कैंसर वाले बचेंजब भी आप हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट करने जाए, तो ध्यान रहे की टैटू वाले एरिया पर लेजर हेयर ट्रीटमेंट भूल कर भी ना करवाएं, इससे स्कीम जलने का खतरा बना रहता है, जिन्हें स्किन कैंसर का खतरा है, उन्हें भी लेजर हेयर ट्रीटमेंट से बचना चाहिए. इसके अलावा अगर आप एक्ने ट्रीटमेंट के लिए दवाइयों का सेवन करती हैं, तो भी लेजर ट्रीटमेंट ना करें. सेंसेटिव स्किन वाले बचें हर व्यक्ति की स्किन अलग–अलग होती है, ऐसे में कुछ लोगों को लेजर हेयर रिमूवर तकनीक सूट कर जाती है, तो वहीं कुछ लोगों को इससे रिएक्शन भी हो सकता है. लेजर हेयर रिमूवल के बाद कुछ लोगों की त्वचा पर पपड़ी आने की समस्या होती है. कई बार तो लोगों की स्किन के रंग में बदलाव भी दिखने लगता है इसलिए जिन लोगों की सेंसेटिव स्किन है, उन्हें लेजर हेयर रिमूवल से बचना चाहिए.

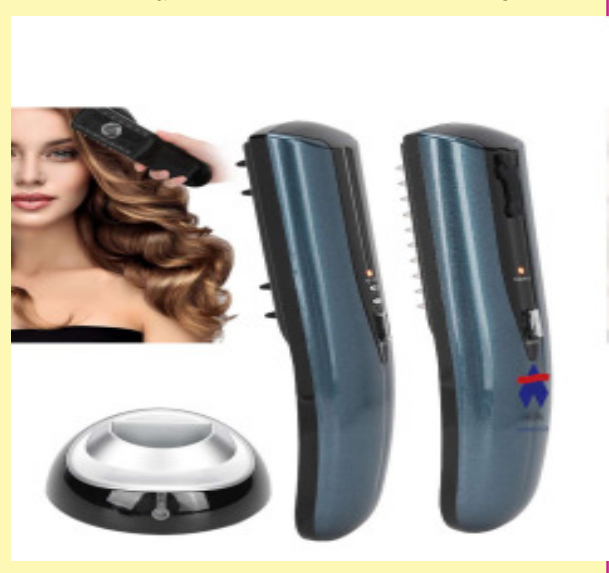

थलपति विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम का नया गाना चिन्ना चिन्ना कंगल जारी

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म गोटरू ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुआ हैं। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। फिल्म के बारे में दर्शकों को आए दिन नई जानकारियां मिल रही हैं, जो उनका उत्साह बढ़ा रही है। बीते दिन फिल्म के दूसरे गाने का प्रोमो जारी किया गया था, जिसके बाद से गाने के रिलीज होने का इंतजार प्रशंसकों द्वारा किया जा रहा था। आखिरकार अब फिल्म का दूसरा गाना रिलीज हो चुका है।विजय की ग्रेटस्ट ऑफ ऑल टाइम उर्फ गोट का दूसरा गाना चिन्ना चिन्ना कंगल रिलीज किया गया। अभिनेता के 50वें जन्मदिन के अवसर पर प्रशंसकों को खास तोफहा मिला है। इस विशेष ट्रैक में दिवंगत पार्श्व गायिका भवतारिणी की एआई–जनरेटेड आवाज है, जो उनके लिए अभिनेता के जन्मदिन पर श्रद्धांजलि भी है। गोट के निर्माताओं ने चिन्ना चिन्ना कंगाल का गीतात्मक वीडियो जारी किया। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को खुद अभिनेता विजय ने गाया है।

भवतारिणी के भाई और गायक–संगीतकार युवान राजा ने एक्स पर एक भावनात्मक नोट साझा करते हुए गीत के निर्माण को याद किया। उन्होंने लिखा, ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का दूसरा सिंगल मेरे लिए बहुत खास है। इस भावना को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जब हम बैंगलोर में इस गाने की रचना कर रहे थे, विजय और मुझे लगा कि यह गाना मेरी बहन के लिए है और उस समय मैंने सोचा कि एक बार जब वह ठीक हो जाएगी और अस्पताल से बाहर आ जाएगी तो हम उसकी आवाज रिकॉर्ड कर सकते हैं, लेकिन एक घंटे बाद मुझे खबर मिली कि वह अब नहीं रहीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उनकी आवाज का इस तरह इस्तेमाल करूंगा। मैं अपनी संगीत टीम और इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों का ईमानदारी से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह मेरे लिए बहुत ही कड़वा पल है।

गोट विजय की 68वीं फिल्म है। यह फिल्म एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन–आधारित विज्ञान–फाई फिल्म होगी। फिल्म के ट्रेलर पर फिलहाल कोई भी अपडेट देने से निर्माता बच रहे हैं। उनका कहना है कि टीजर या ट्रेलर के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है।

वहीं कलाकारों की बात करें तो इस फिल्म में विजय के अलावा माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है। फिल्म में वेंकट प्रभु के भाई प्रेमगी, वैभव, अरविंद आकाश और अजय राज हैं। यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इंडियन 2 में फिर से दिखने वाला है कमल हासन का जादू, 25 जून को रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

कमल हासन इन दिनों काफी चर्चा में हैं। इस साल एक के बाद एक उनकी दो बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। वह इस साल कल्कि 2898 एडी और इंडियन 2 में नजर आने वाले हैं। दोनों ही फिल्मों के रिलीज डेट के बीच में महीने भर से भी कम का अंतर है। ऐसे में उनके फैंस के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं है, जिसमें उन्हें अपने पसंदीदा अभिनेता की दो फिल्में लगातार देखने को मिलने वाली हैं। इंडियन 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसको लेकर अब एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

कमल हासन इन दिनों कल्कि 2898 एडी में अपने भूमिका के लिए काफी चर्चा बटोर रहे हैं। हाल में ही फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है, जिसमें उनके लुक की जबर्दस्त तारीफ हो रही है। पिछले ट्रेलर में उनके द्वारा बोले गए महज एक लाइन के डायलॉग ने फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। अब अभिनेता अपनी एक और आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म के साथ जल्द ही पर्दे पर दस्तक देने वाले हैं। उनकी फिल्म इंडियन 12 जुलाई को रिलीज होने वाली है। हाल में ही निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज डेट की घोषणा की है, जिसके बाद से अभिनेता के फैंस फिल्म के रिलीज से पहले उनका दीदार करने को बेताब हो रहे हैं।

इंडियन 2 के निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज डेट पर से पर्दा हटा दिया है। फिल्म का ट्रेलर 25 जून को रिलीज किया जाएगा। हालांकि, तारीख तो बता दी गई है, लेकिन अभी शहर और समय की घोषणा नहीं की गई है, जहां फिल्म के ट्रेलर रिलीज इवेंट का आयोजन होगा। बहरहाल, इस घोषणा से अभिनेता के फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। बताते चलें कि फिल्म तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज होने वाली है। फिल्म में कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, सिद्धार्थ, बॉबी सिम्हा, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, समुथिरकानी आदि कलाकार भी काम कर रहे हैं। लाइका प्रोडक्शंस और रेड जायंट मूवीज द्वारा निर्मित, इस फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है।

रोमांटिक कामेडी फिल्म त्रिशा आन द राक्स, कहानी में है दम, किरदारों से हो जाएगा प्यार

कृष्णदेव याग्निक की त्रिशा ऑन द रॉक्स एक मनोरंजक रोमांटिक कॉमेडी है। इसे गुजराती और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया गया है। फिल्म में खूबसूरत किरदार और आकर्षक कहानी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है।फिल्म की कहानी त्रिशा (जानकी बोड़ीवाला) और विशाल (रवि गोहिल) के इर्द–गिर्द घूमती है। त्रिशा जहां जिंदादिल इंसान है और अपनी लाइफ को फुल एन्जॉय करती है, वहीं विशाल शांत व्यवहार का है। दोनों के रिश्ते को बखूबी ढंग से दिखाया गया है, उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को आकर्षित करेगी।

जानकी बोड़ीवाला ने त्रिशा के किरदार बेहतरीन तरीके से निभाया है। उन्होंने अपने किरदार में जो एनर्जी दिखायी है, वाकई सराहनीय है। उनकी दमदार एक्टिंग को बराबर की टक्कर देते हुए एक्टर रवि गोहिल ने भी विशाल की भूमिका में जान भरने का काम किया है।दोनों के बेहतरीन परफॉर्मेंस के चलते स्क्रीन पर रोमांटिक जोड़ी दिखाई दी। सपोर्टिंग रोल में हितेन कुमार ने भी अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया और कहानी में हास्य जोड़ा।कृष्णदेव याग्निक ने कमाल का निर्देशन किया है। फिल्म में दिल को छू लेने वाले पलों को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है। फिल्म की कहानी को इस तरह से आगे बढ़ाया है कि दर्शक फिल्म को देखते समय बोर नहीं होंगे। प्रतीक परमार की सिनेमैटोग्राफी ने फिल्म को दिलचस्प बनाने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं बात करें, त्रिशा ऑन द रॉक्स के म्यूजिक की तो यह आपके दिल को छू लेगा। आप म्यूजिक सुनकर कहानी से खुद को आसानी से कनेक्ट कर पाएंगे।

पति मजहर सईद के साथ काम करके खुश हैं मौली गांगुली

एक्ट्रेस मौली गांगुली ने शो जननी रू एआई की कहानी में पति मजहर सईद के साथ काम करने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि लगभग दो दशकों के बाद फिर से साथ काम करना एक ताजगी भरा अनुभव है।शो में इरा शर्मा की भूमिका निभाने वाली मौली ने अपने पिछले सहयोगों के बारे में बात करते हुए कहा, लगभग दो दशक बाद फिर से साथ काम करना ताजगी भरा अनुभव है। कहीं किसी रोज में हम एक दूसरे के अपोजिट नहीं थे, इसलिए यह अनुभव बिल्कुल नया और रोमांचक है।इस बार वह पर्दे पर एक ऐसे जोड़े की भूमिका निभा रहे हैं जो उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में एक अनोखी गतिशीलता जोड़ देगा।मौली ने इस अनुभव के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह वास्तव में इसका आनंद ले रही हैं। पर्दे के पीछे और पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री ने उनके किरदारों में प्रामाणिकता जोड़ दी है, जिससे यह शो दर्शकों के लिए और भी अधिक आकर्षक बन गया है।

जीवनसाथी के साथ काम करना एक अनोखा अनुभव हो सकता है और मौली और मजहर के लिए यह किसी आनंद से कम नहीं है।

साक्षी, आठवां वचन और लागी तुझसे लगन में अपने काम के लिए मशहूर मौली ने कहा, यह वाकई में सुकून देने वाला है क्योंकि साथ आना, साथ में घर जाना और साथ में समय बिताना बहुत मजेदार है। वरना हम लोग आम तौर पर एक–दूसरे की सेट की कहानियां शेयर करते थे।इससे पहले वह डांस रियलिटी शो नच बलिए 4 में नजर आए थे। इसमें उनकी मजबूत साझेदारी और केमिस्ट्री को दिखाया गया था। यह जोड़ा 2010 में शादी के बंधन में बंधा था।इस शो में मजहर ने विराट शर्मा की भूमिका निभाई है। इसके अलावा इसमें प्राप्ति शुक्ला, नितिन गुलेरिया, सुमित कौल, प्रियांक ततारिया और आशिका भाटिया भी हैं।एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी रू एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है। मौली इससे पहले बाल शिव–महादेव की अनदेखी गाथा, जमाई राजा, शक्ति–अस्तित्व के एहसास की, आसमान से आगे और मानो या ना मानो 2 जैसे टेलीविजन शो में नजर आ चुकी हैं।

वीकेंड पर भी नहीं दिखा फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड का क्रेज

ऋतिक रोशन की कजन पश्मीना रोशन ने फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड से बॉलीवुड डेब्यू कर लिया है. उनकी रोमांस–ड्रामा 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड को कुछ खास रिस्पॉन्स मिलता नजर नहीं आ रहा. जहां फिल्म की ओपनिंग बेहद कम थी तो वहीं वीकेंड पर भी इश्क विश्क रीबाउंड का क्रेज नहीं दिखा.सैकनिल्क के आंकड़ों की मुताबिक इश्क विश्क रीबाउंड ने पहले दिन महज 1 करोड़ के कलेक्शन के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था. वहीं अब दूसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं जिसकी मानें तो पश्मीना रोशन की फिल्म पहले शनिवार को महज 1.15 करोड़ रुपए का ही कारोबार कर पाई है. यानी दो दिन में इश्क विश्क रीबाउंड ने कुल 2.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है.बता दें कि इश्क विश्क रीबाउंड के अलावा हॉरर–थ्रिलर फिल्म मुंज्या और कार्तिक आर्यन की चंदू चौंपियन भी पर्दे पर है. मुंज्या ने रिलीज के 16 दिन बाद भी शनिवार को 5.50 करोड़ रुपए का शानदार कलेक्शन किया तो वहीं चंदू चौंपियन ने भी 4.85 करोड़ रुपए की कमाई की. ऐसे में कहा जा रहा है कि इश्क विश्क रीबाउंड पर क्लैश का भी असर हुआ है.फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड जेन जी वर्ल्ड पर बेस्ड है. ये एक रोमांस–ड्रामा है जिसमें चार यंगस्टर्स की कहानी दिखाई गई है जो दोस्ती, प्यार और सिचुएशनशुपि के जाल में फंस जाते हैं. इश्क विश्क रीबाउंड को निपुण धर्माधिकारी ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में पश्मीना रोशन के अलावा रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल भी लीड रोल्स में हैं. इसके अलावा शीबा चड्ढा और सुप्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दी हैं.

चंदू चौंपियन का चला थिएटर्स में जादू, दूसरे वीकेंड पर बढ़ा कार्तिक आर्यन की फिल्म का कलेक्शन

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चौंपियन ने आखिरकार बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार पकड़ ली है. रिलीज के पहले हफ्ते से ही थिएटर्स में धीमी रफ्तार से कमा रही फिल्म ने दूसरे वीकेंड पर एक बार फिर अच्छा कलेक्शन किया है और 40 करोड़ क्लब का हिस्सा बनने में कामयाब साबित हुई है.सैकनिल्क के आंकड़ों पर नजर डालें तो चंदू चौंपियन ने 4.75 करोड़ रुपए से ओपनिंग की थी. उसके बाद पहले वीकेंड पर शनिवार को 7 करोड़ और रविवार को 9.75 करोड़ रुपए कमाए थे. जबकि पहले मंडे का कलेक्शन 5 करोड़ रुपए था. उसके बाद से फिल्म ने एक भी दिन 3.25 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस नहीं किया.चंदू चौंपियन रिलीज के पांचवें दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर स्लो हो गई थी और हर रोज 2.5 से 3.2 5 करोड़ रुपए के बीच कलेक्शन कर रही थी. लेकिन नवें दिन चंदू चौंपियन की कमाई में जबरदस्त इजाफा हुआ है और कार्तिक आर्यन की फिल्म ने कुल 4.85 करोड़ रुपए का कारोबार किया है. इसी के साथ फिल्म ने भारत में कुल 42.75 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.कई मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चंदू चौंपियन का बजट 120 करोड़ रुपए है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है और इसी के साथ इसने अपनी लागत का एक तिहाई हिस्सा कमा लिया है. हालांकि चंदू चौंपियन बजट निकालने से अब भी बहुत दूर है.चंदू चौंपियन की स्टोरी की बात करें तो ये भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी. कबीर खान की इस डायरेक्टोरियल फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं. वहीं विजय राज, भाग्यश्री और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं.

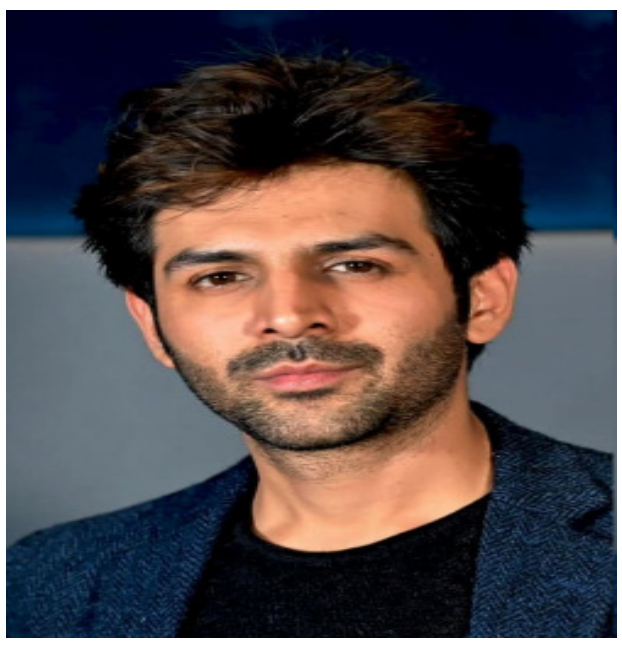

चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान देते हुए मोनालिसा ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट, दिखी एक्ट्रेस की खूबसूरत अदाएं

भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक मोनालिसा आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर हमेशा सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो हमेशा अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी हॉटनेस का जलवा फैंस के बीच बिखेर कर अक्सर लोगों का ध यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं। उनका ये स्टनिंग अवतार लोगों को दीवाना कर रहा है।इन तसवीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने रेड कलर की रेड कलर की बनारसी साड़ी पहनी हुई है।

माथे पर बिंदी, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी अच्छी खासी है। एक्ट्रेस की इन फोटोज में शोख अदाओं को देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं। मोनालिसा के वर्कफ्रंट की बात करें दतो उन्हें आखिरी बार टीवी सीरियल बेकाबू में देखा गया था। इससे पहले वो स्टार प्लस के पॉपुलर शो नजर का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

तीसरे वीकेंड पर फिर बढ़ा मुंज्या का क्रेज, शरवरी–अभय की फिल्म ने छाप डाल करोड़ों

शरवरी वाघ और अभय शर्मा की हॉरर–थ्रिलर फिल्म मुंज्या का क्रेज थमने का नाम नहीं ले रहा है. 7 जून को थिएटर्स में आई ये फिल्म रिलीज के 16 दिन बाद भी करोड़ों का कारोबार कर रही है. यहां तक कि मुंज्या ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्मों को भी मात दे दी है. जहां मुंज्या रिलीज के बाद से ही हर रोज करोड़ों छाप रही है तो वहीं तीसरे वीकेंड पर एक बार फिर फिल्मके कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है.सैकनिल्क की मानें तो मुंज्या पिछले कुछ दिनों से हर रोज 2.5 से 3.5 करोड़ रुपए के बीच कलेक्शन कर रही थी. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक 15वें दिन भी फिल्म ने 3.31 करोड़ रुपए ही कमाए थे. लेकिन तीसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में काफी इजाफा हुआ है. मुंज्या ने 16वें दिन 5.80 करोड़ रुपए बटोरे हैं. इसी कलेक्शन के साथ फिल्म ने अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 80 करोड़ के क्लब में एंट्री ले ली है.मुंज्या ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 16 दिन में कुल 80.11 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. महज 30 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने हफ्ते भर में ही अपना बजट निकाल लिया था. अब मुंज्या का बढ़ता कलेक्शन इस ओर इशारा कर रहा है जल्द ही फिल्म 100 करोड़ क्लब में एंट्री ले सकती है.आदित्य सरपोटदार के डायरेक्शन में बनी मुंज्या का क्रेज बॉक्स ऑफिस पर ऐसा हावी है कि ये हाल ही में रिलीज हुई फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड और पिछले हफ्ते पर्दे पर आई चंदू चौंपियन को भी मात दे रही है. नई फिल्मों की रिलीज से शरवरी वाघ की हॉरर–थ्रिलर पर कोई असर नजर नहीं आया.

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अब शादीशुदा हैं! शेयर की अपनी सात साल पुरानी प्रेम कहानी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अब शादीशुदा हैं! सफेद कपड़ों में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं ये कपल, शेयर की अपनी सात साल पुरानी प्रेम कहानी। अंत भला तो सब भला! बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा सोनाक्षी सिन्हा ने रविवार को अपने मंगेतर जहीर इकबाल के साथ शादी के बंधन में बंधते ही अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर दिया। दोनों एक जैसे सफेद कपड़ों में एक जैसे लग रहे थे। प्रेमी जोड़े ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी शादी की तस्वीरें शेयर कीं और इतने सालों तक चुप रहने के बाद आखिरकार अपनी प्रेम कहानी के बारे में बताया। दोनों ने माना कि सात साल पहले जब वे एक–दूसरे से मिले थे, तो उन्हें पहली नजर में ही प्यार हो गया था। भावनात्मक पोस्ट पढ़ें– "इसी दिन, सात साल पहले (23.06.2017) हमने एक–दूसरे की आंखों में प्यार को उसके सबसे शुद्ध रूप में देखा और उसे थामे रखने का फैसला किया। आज उस प्यार ने हमें सभी चुनौतियों और जीत के बीच मार्गदर्शन किया है३ इस पल तक ले गया३ जहां हमारे दोनों परिवारों और हमारे दोनों भगवानों के आशीर्वाद से३ अब हम पति–पत्नी हैं।" उन्होंने कहा, ष्यहां प्यार, उम्मीद और एक–दूसरे के साथ सभी खूबसूरत चीजें हैं, अभी से लेकर हमेशा के लिए। सोनाक्षी (अनंत इमोजी) जहीर।

रख–रखाव के अभाव में तहसील परिसर का शौचालय बना शो पीस, गन्दगी का अम्बार

दुद्धी, सोनभद्र(आरएनएस)। दुद्धी तहसील परिसर में बना सामुदायिक शौचालय रख–रखाव के अभाव में शो पीस बना गया हैं तो वहीं शौचालय में गंदगी का अम्बार लग गया हैं जिससे आमजन तथा तहसील में आने वाले फरियादियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।आमजन की सुविधाओं के बना सामुदायिक शौचालय की स्थिति ऐसी हैं कि इसे देख कर स्वच्छ भारत मिशन का जिम्मेदारों द्वारा कितना पालन किया जा रहा हैं इसका अंदाजा लगाना काफी आसान हो जाता हैं। जहाँ साफ सफाई के नाम पर प्रति वर्ष लाखों रूपये खर्च किए जा रहें हैं वहीं तहसील परिसर में बने सामुदायिक शौचालय की ओर न तो नगर पंचायत का ध्यान है और न ही तहसील के जिम्मेदारों का। तहसील मुख्यालय पर आने वाले लोगों में सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को करनी पड़ती है, क्योंकि पुरे तहसील परिसर में एक मात्र सामुदायिक शौचालय है लेकिन वो भी उपयोग के लायक नहीं है इसलिए मजबूरन लोग तहसील परिसर में जहाँ तहां लघु शंका करने को मजबूर है तो कहीं दीवारों के आड़ में किसी तरह निपटान का सहारा ले रहें है। तहसील परिसर में बने शौचालय की नियमित साफ–सफाई की मांग अधिवक्ताओं ने उठाई है। कहाँ है कि यदि जिम्मेदारों द्वारा तहसील परिसर में बने सामुदायिक शौचालय की नियमित साफ–सफाई नहीं कराई जाती है तो इसकी लिखित शिकायत जिला अधिकारी महोदय को की जाएगी।

रख–रखाव के अभाव में तहसील परिसर का शौचालय बना शो पीस, गन्दगी का अम्बार

दुद्धी, सोनभद्र(आरएनएस)। दुद्धी तहसील परिसर में बना सामुदायिक शौचालय रख–रखाव के अभाव में शो पीस बना गया हैं तो वहीं शौचालय में गंदगी का अम्बार लग गया हैं जिससे आमजन तथा तहसील में आने वाले फरियादियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।आमजन की सुविधाओं के बना सामुदायिक शौचालय की स्थिति ऐसी हैं कि इसे देख कर स्वच्छ भारत मिशन का जिम्मेदारों द्वारा कितना पालन किया जा रहा हैं इसका अंदाजा लगाना काफी आसान हो जाता हैं। जहाँ साफ सफाई के नाम पर प्रति वर्ष लाखों रूपये खर्च किए जा रहें हैं वहीं तहसील परिसर में बने सामुदायिक शौचालय की ओर न तो नगर पंचायत का ध्यान है और न ही तहसील के जिम्मेदारों का। तहसील मुख्यालय पर आने वाले लोगों में सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को करनी पड़ती है, क्योंकि पुरे तहसील परिसर में एक मात्र सामुदायिक शौचालय है लेकिन वो भी उपयोग के लायक नहीं है।

करंट की जद में आने से राजगीर झुलसा

जौनपुर । जफराबाद थानाक्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास मंगलवार की सुबह निर्माण कार्य चल रहा था कि बल्ली हटाते समय बिजली के तार के संपर्क में आ जाने की वजह से 20 वर्षीय विकास पुत्र विनोद निवासी धर्मपुर थाना दीनापुर जिला मुजफ्फरनगर बुरी तरह से झुलस गया है । वह जफराबाद थाना क्षेत्र में रहकर राजगीर कार्य करता है । झुलसे अवस्था में तत्काल जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। जहां पर उसका उपचार चल रहा है स्थिति गंभीर बनी हुई है।

हेड मास्टर ट्रेन के सामने कूदकर मरे

जौनपुर। जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के पुरनपुर गांव के पास एक परिषदीय विद्यालय के हेड मास्टर ने ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी है। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सूरतपुर गांव निवासी 50 वर्षीय राजकुमार यादव जो प्राथमिक विद्यालय सुरैला में हेड मास्टर के पद पर तैनात थें। उन्होंने परिवारिक कलह से आजिज आ कर मंगलवार को पुरनपुर गांव के पास औड़ियार रेलवे प्रखंड पर सुबह आने वाली पैसेंजर ट्रेन के आगे छलांग लगा दिये जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिवार वालों में कोहराम मच गया।

अधिवक्ताओं से बंद हो टोल टैक्स की वसूली–जयनारायण पांडेय

यूपी बार काउंसिल के सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्रक भेज उठाई मांग

अधिवक्ताओं ने मांग को जायज बताते हुए किया स्वागत

सोनभद्र(आरएनएस)। यूपी बार काउंसिल के सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्षध् एडवोकेट हाईकोर्ट लखनऊ जयनारायण पांडेय ने केंद्रीय मंत्री रोड, ट्रांसपोर्ट एंड हाइवे आफ इंडिया, नई दिल्ली नितिन गडकरी को पत्रक भेजकर सम्पूर्ण भारत में अधिवक्ताओं से टोल टैक्स वसूली बंद किए जाने की मांग उठाई है। इसका अधिवक्ताओं ने स्वागत किया है। श्री पांडेय ने 13 जून 2024 को केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी को भेजे पत्रक में पुनः कैबिनेट मंत्री बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश अधिवक्ताओं की मातृ संस्था है। जहां से पंजीकरण होने के बाद ही अधिवक्ता विधि व्यवसाय करते हैं। अधिवक्ताओं को न्यायिक कार्य के वास्ते सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, ट्रिब्यूनल कोर्ट समेत विभिन्न कोर्टो में जाना पड़ता है। बावजूद इसके अधिवक्ताओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपने वाहनों से जाने पर आमलोगों की तरह उनसे भी टोल टैक्स वसूल किया जाता है। जबकि अधिवक्ताओं को न्यायिक ध् अति आवश्यक कार्य से ही जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में श्री पांडेय ने संपूर्ण भारत में अधिवक्ताओं से टोल टैक्स की वसूली बंद किए जाने का आदेश पारित किए जाने की मांग उठाई है।

बाइक से गिरकर बालक की मौत

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर आरा मार्ग पर दुधौरा बाजार के पास सोमवार की रात आगे बैठा एक बालक गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। आजमगढ़ जनपद के बरदह थाना क्षेत्र के कोहरौली गांव निवासी विजय कुमार बाइक से अपनी पत्नी इंद्रा देवी व एक अन्य महिला चिंता देवी के साथ अपने चार वर्षीय पुत्र वंश कुमार को बाइक के टंकी पर बैठाकर जौनपुर शहर में एक अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदार को देखकर घर लौट रहा था। दुधौरा बाजार के पास पहुंचा था कि सामने अचानक एक जानवर आ गया। इतने में बाइक अनियंत्रित हो गयी। आगे बैठा बालक छिटक कर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। जबकि अन्य सभी बाल बाल बच गये।

सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में कवि गोष्ठी का हुआ आयोजन

कवियों ने एक से बढ़कर एक रचना सुना वाह्वाही लूटी

सोनभद्र(आरएनएस) शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में बार सभागार कचहरी में कवि गोष्ठी का आयोजन मंगलवार दोपहर को बार अध्यक्ष पूनम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। वाग्देवी स्तवन करते हुए आयोजक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट निदेशक शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र ने ,तम हर जगह मां जगमग कर दे। दुःख हर सुख मां घर–घर भर दे सुनाया और विधिवत आयोजन शुरू हुआ। ओज व श्रृंगार की सशक्त हस्ताक्षर कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, पुष्प बनकर मैं खुश्बू लुटाती रहूं,कांटे दामन में अपने छिपाती रहूं शारदे शक्ति दे जागरण नित करूं, राष्ट्र हित में सदा गीत गाती रहूं सुनाया और खूब वाहवाही बटोरी। कवि ध र्मेश चौहान ने, बौराये जब आम समझो आ गया मधुमास है आम के अधरों पर होती गजब की मिठास है सुनायें और सराहे गये। सफल संचालन कर रहे अशोक तिवारी एडवोकेट ने शायरी,, अल्लाह जानता है मुहब्बत हमीं ने की,उनकी तरफ से हर जगह शिरकत हमीं ने की सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। दयानंद दयालू ने भोजपुरी लोकभाषा में कई रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नोटरी अधिवक्ता बार कौंसिल इलाहाबाद के मनोनीत सदस्य राकेश शरण मिस्र एडवोकेट ने नेताओं को बेनकाब करते हुए कृतित्व व्यक्तित्व में अंतर पर अपनी रचना,, लकलक कुर्ता पैजामा पहन कर आये नेताजी सुनाया और लोगों को सोचने पर विबश किये। नवगीत कार दिलीप सिंह दीपक ने ,,सत्ता को चुनौती देती धारा के विपरीत रचना,, मोहब्बत की जमीं है ए इसका ईमान मत बेचो,तुम सबकुछ बेच दो लेकिन हिंदुस्तान मत बेचो सुनाकर गंभीर चिंतन किया। इस मौके पर सुधाकर, स्वदेशप्रेम, जयराम सोनी ,अरुणतिवारी, मदन चौबे ने भी काव्य पाठ कर गतिज ऊर्जा प्रदान किये और सराहे गए। आभार प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने व्यक्त किया और कवियों पत्रकारों के लिए अपनी रचना,, तेरी आंखों में चाहत का समंदर देखा। समरसता सद्भाव का हिंदुस्तानी मंजर देखा सुनाकर आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता कर रही बार एसोसिएशन सोनभद्र की अध्यक्ष पूनम सिंह एडवोकेट ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।इस अवसर पर विनोद कुमार चौबे, राजीव कुमार गौतम, राजेश पाठक, प्रकाश चन्द्र गिरि, विजय प्रकाश पाण्डेय, अनिल कुमार पांडेय आदि रहे।

फार्च्यूनर के धक्के से मजदूर की मौत

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के धनियांमऊ पुल फोरलेन पर मंगलवार की सुबह सड़क निर्माण कार्य हेतु जा रहें बाइक सवार दो मजदूरों को फार्च्यूनर कार चालक ने धक्का मार दिया। बुरी तरह से घायल मजदूरों को बदलापुर सीएचसी भेजा गया जहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया। थाना क्षेत्र के उमरपुर गांव निवासी करीब 49 वर्षीय धीरू राव व कल्लू बाइक से सड़क निर्माण कार्य करने जा रहें थें। बाइक कल्लू चला रहा था अभी धानियांमऊ पुल के पास पहुँचे ही थें तभी पीछे से लखनऊ की तरफ जा रही कार चालक ने जोरदार धक्का मार दिया। जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से दोनों घायलों को एम्बुलेंस से बदलापुर सीएचसी अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सक ने धीरू राव को मृत घोषित कर दिया जबकि कल्लू को बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया। बतातें है कि घटना कर भाग रही कार को बदलापुर पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

दोषी राम सुभग को 10 वर्ष की कठोर कैद

सोनभद्र(आरएनएस)। साढ़े पांच वर्ष पूर्व फुलझरिया की आंख के नीचे तीर जैसे हथियार से प्रहार कर गंभीर चोट पहुचाने के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम जीतेंद्र कुमार द्विवेदी की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी राम सुभग को 10 वर्ष की कठोर कैद व 15 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक बिहारी खरवार पुत्र स्वर्गीय बबलू खरवार निवासी बहेराडार थाना जुगैल, जिला सोनभद्र ने 23 अगस्त 2018 को थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी बहन फुलझरिया करीब 10 साल से पति को छोड़ने पर उसी के साथ रहती है। करीब दो साल से राम सुभग पुत्र राम सागर खरवार निवासी जुगैल टोला जोरवा, थाना जुगैल, जिला सोनभद्र के साथ रह रही थी। परन्तु एक माह से आपसी विवाद की वजह से वह उसी के यहां रहती थी। बावजूद इसके राम सुभग उसके घर आकर बहन से विवाद करता था। बीती रात को राम सुभग ने तीर जैसे नुकीले हथियार से बहन की आंख के नीचे वार कर गंभीर चोट पहुंचा दिया। जिसे दवा इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोहदो से तंग किशोरी ने फांसी लगा दी जान

चित्रकूट। सोहदो से परे(आरएनएस)शान किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। मृतका के माता–पिता ने पुलिस पर आरोप लगाया कि शिकायत करने पर थाने में पिटाई की गई। इस संबंधा में सीओ राजापुर निष्ठा उपाध्याय ने कहा कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। सक्षम अधिकारी से लगाए गए आरोपों की जांच कराकर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। सदर विधायक ने पीड़ित परिवार से मिलकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। ये घटना मऊ थाना क्षेत्र के परदवा के मजरा कनभय में बीती शाम हुई। मर्चरी हाउस में पिता रामलखन निषाद व मां कमला देवी ने बताया कि पुत्री रंजना देवी (16) खेत से साइकिल से वापस आ रही थी। तभी गांव के रंगीलाल व मुन्नीलाल ने साइकिल रोक कर बेटी से छेड़खानी किया। जिससे क्षुब्ध पुत्री ने घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। दम्पति ने पुलिस पर आरोप लगाया कि जब रात्रि करीब दस बजे थाने शिकायत करने गए तो उन्हे पीटा गया। पिटाई के बाद फिर दोनो सोहदो के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। यह भी आरोप लगाया कि पुत्री को स्कूल जाते और आते समय अक्सर दोनो छेड़खानी करते थे। कई बार इसकी शिकायत थाने में करने पर कोई कार्यवाही न होने के चलते सोहदो का मनोबल बढ़ता गया। ऐसे में पुत्री ने आत्महत्या की है। मृतका के पिता ने बताया कि शंकरगढ़ में इंटर कालेज में कक्षा दस में पढ़ती थी। साइकिल से स्कूल जाती थी। छुट्टी के पूर्व भी कई बार छेड़खानी कर चुके हैं। चार पुत्री, दो पुत्र में मृतका तीसरे नंबर की थी। सपा के सदर विधायक अनिल प्रधान ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर ढाढस बंधाया है।

लोस चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने मार्ग निर्माण को लेकर किया था चुनाव का बहिष्कार

राजापुर (चित्रकूट)(आरएनएस)। पहली बारिश में ही संपर्क मार्ग का आवागमन ठप हो गया। कई दर्जनों वाहन सड़क के दलदल में फस जाने से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग के मुद्दे को लेकर हाल ही में लोकसभा सामान्य निर्वाचन में बरुवा गांव के मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार भी किया था। तब जनपद के कई नेताओं व अधिकारियों ने जल्द सड़क बनवाने का भरोसा दिया था जो हवाहवाई साबित हुआ।

तीरमऊ बरुवा घाट चलने से लगभग तीन वर्ष से सड़के ध्वस्त है। आमजन आवागमन के लिए परेशान हैं। गढ़ढायुक्त सड़कें दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। लगातार समाजसेवी मार्ग निर्माण के लिए प्रशासन से मांग कर रहे हैं। राजापुर तहसील मुख्यालय और ब्लाक रामनगर जाने के लिए बरुआ, रुपौली, रगौली, तीरमऊ समेत दर्जनों गांव के लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। आए दिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। हालात ये हैं कि लगभग एक माह से बरुवा गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट चुका हैं और करीब एक किमी दूर पैदल चलने के बाद आवागमन हो रहा हैं। इमरजेंसी सेवा भी बंद हो चुकी हैं।

नाले की सफाई व पाटने की व्यवस्था न हुई तो करेंगें प्रदर्शन

चित्रकूट(आरएनएस)। मुख्यालय कर्वी के जगदीशगंज व द्वारिकापुरी मोहल्ले से निकलने वाला नाला कई स्थानों पर खुला पड़ा है। जिसको पाटने व साफ कराने की मांग को लेकर स्थानीय निवासियों ने नगर पालिक सहित सदर विधायक को पत्र सौंपा है। कहा कि जल्द यदि नाले को नहीं ढका गया तो प्रदर्शन कर विरोध जताएंगे।जगदीशगंज निवासी जगमोहन ने बताया कि नाला जो राष्ट्रीय राजमार्ग झांसी मिर्जापुर से सटा हुआ है। नाला दस फुट गहरा है जो कई स्थानों पर खुला हुआ है। इस नाले से शहर के अन्य मोहल्ले के नाले जुड़े हुए हैं। बरसात के दिनों में जब बारिश होती है तो नाले का गंदा पानी घरों में घुस जाता है। नाले से आने वाली बदबू के कारण घरों में रहना मुश्किल हो जाता है। कई बार नाले को ढकने के लिए नगर पालिका के अधिकारियों को पत्र दिया गया। बावजूद इसके नाले को साफ व पाटा नहीं गया। इस मौके पर चंद्र प्रकाश, पवन, मेवालाल, संजय, राममूरत, रामभवन, धनश्याम, संतोष, मेवालाल आदि मौजूद रहे।

ठेकेदार से मजदूरी दिलाने की लगाई फरियाद

चित्रकूट(आरएनएस)। कर्वी ब्लाक के धौरही माफी गांव के ग्रामीणों ने कंपोजिट प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्रीवाल के निर्माण कार्य में मजदूरी नहीं मिलने पर खंड विकास अधिकारी सदर को पत्र दिया है। मांग की है कि संबंधित ठेकेदार से उनकी मजदूरी दिलायी जाए। मजदूर रामसुमेर, अभिषाला, मुनीम, मंगल, भाऊराम, बबली ने बताया कि धौरही माफी गांव के कंपोजिट प्राथमिक विद्यालय बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य दो साल पहले किया गया गया था। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों की 50 हजार रुपये मजदूरी बकाया है। कई बार ठेकेदार से मजदूरी मांगने के लिए गए लेकिन वह गालीगलौज कर भगा देता है। ठेकेदार से ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक भी मिले हुए हैं। ठेकेदार से उनकी मजदूरी दिलायी जाए।

सड़क हादसों में पांच घायल, एक रेफर

चित्रकूट(आरएनएस)। सडक हादसों में पांच लोग घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक को डाक्टर ने प्रयागराज रेफर कर दिया।पहाड़ी थाना क्षेत्र के कौहारी गांव निवासी पवन कुमार (19) व सेमरदहा के अतरी निवासी राहुल (18) रविवार की रात को पहाड़ी कस्बा से कौहारी गांव जा रहे थे। कौहारी चौराहे के पास पहुंचे तो आगे जा रहे ट्रक को ओवरटेक करते समय ट्रक का हिस्सा छू जाने से अनियंत्रित होकर गिरने से घायल हो गए। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके अलावा बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के सेहरिन निवासी अर्जुन (20) व मनोज कुमार (23) बाइक से वापस अपने गांव जा रहे थे। वह देवांगना घाटी मोड़ के पास पहुंचे तो सामने से आ रही बोलेरो ने टक्कर मार दी। जिसके चलते दोनों घायल हो गए। यह देखकर बोलेरो चालक मौके से भाग गया। राहगीरों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अर्जुन को डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके अलावा एलआईसी तिराहा निवासी अवधेश (30) बाइक से सोमवार की सुबह सब्जी लेने जा रहे थे। सदर बाजार के पास पहुंचे तो मवेशी को बचाने के प्रयास में गिरकर घायल हो गए। जिला अस्पताल में उपचार दिया गया है।

अधिकाधिक वाद निस्तारण को लेकर जिला जज ने की बैठक

-बैठक से अनुपस्थिति अधिकारियों को जारी किया नोटिस

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम की अध्यक्षता में 13 जुलाई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर राजस्व के अतिरिक्त अन्य अधिकारियों की बैठक हुई।

सचिव अपर जिला जज नीलू मेनवाल ने बताया कि बैठक में मामलों के अधिकाधिक निस्तारण किए जाने पर चर्चा की गई। चिन्हित वादों की नोटिसों का तामीला कम से कम दो बार तामीला कराये जाने पर विशेष बल दिया गया। बैठक से जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला दिव्यागजन अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता नगर पालिका अनुपस्थित रहे। जबकि सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय इलाहाबाद के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में बैठक का आयोजन किया गया था। ऐसे में जनपद न्यायाधीश इस संबंध में संबंध में नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिये। जिसकी सूचना जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ को प्रेषित की जायेगी। बैठक में अधिशाषी अभियन्ता विद्युत दीपक सिंह, दिलीप कुमार पूर्ति निरीक्षक खाद्य एवं रसद विभाग, डा. सन्तोष तिवारी पीटीओ उपसंभागीय परिवहन अधिकारी, सुरेन्द्र कुमार जिला सूचना अधिकारी मौजूद रहे।

संचालित योजनाओं में शादी–विवाह पुरस्कारध्अनुदान योजनान्तर्गत जिन दिव्यांगजनो की शादी–विवाह विगत वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में सम्पन्न हुये हो तो दम्पति में पति के दिव्यांग होने की दशा में 15 हजार रुपये पत्नी के दिव्यांग होने की दशा में 20 हजार रुपये व पति–पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35 हजार रुपये का अनुदानध्पुरस्कार देने की योजना है। ऐसे दिव्यांगजन शादी–विवाह पुरस्कारध्अनुदान हेतु विभागीय वेबसाइट ीजजचरूध्ध् कपअलंदहरंद.नचेकब.हवअ.पदध् पर आवेदन कराकर हार्डकापी अधोहस्ताक्षरी कार्यालय विकास भवन कमरा 10–11 में जमा कराने का कष्ट करें। ऑनलाइन आवेदन हेतु दिव्यांगता प्रदर्शित करता हुआ नवीनतम् संयुक्त फोटो शादी–विवाह पंजीकरण प्रमाण–पत्र (स्वैच्छिक है), दिव्यांग प्रमाण–पत्र (सम्बन्धित का) आय प्रमाण पत्र (दम्पति में कोई सदस्य आयकर दाता की श्रेणी न हो) अधिवास (निवास) एवं जाति प्रमाण–पत्र पति–पत्नी की आयु प्रमाण–पत्र (जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो), पति–पत्नी का संयुक्त खाता पति–पत्नी का आधार करार विलेख (10–रूपये के जुड़ीशियल स्टाम्प पेपर) तथा विवाह के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो और युवती की आयु 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हो।

अनुदान के लिए आवेदन करे 31 तक

जौनपुर । मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र के संचालन हेतु अनुदान दिये जाने के लिए आवेदन 31 जुलाई, तक प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थायें जिनके द्वारा मानसिक मंदित तथा मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन के लिए आश्रय गृह सह प्रशिक्षण का संचालन किया जाता है एवं राज्य सरकार से वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु अनुदान प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु अपने आवेदन पत्र मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन हेतु आश्रय गृह, सह प्रशिक्षण केन्द्र के संचालन हेतु स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान दिये जाने हेतु गाईड लाईन्स में दी गयी।

बैंक और शासन की योजनाओ की बिन्दुवार समीक्षा

जौनपुर। वित्तीय वर्ष में किये गए कार्यों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति एवं बैंकर्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा बैंक एवं शासन की योजनाओ की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में ऋण जमानुपात, जिले में काम कर रहे प्रत्येक बैंक शाखाओं एवं बैंक एटीएम, बैंक मित्रों के कार्य, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एनआरएलएम, मुद्रा योजना, माइक्रो लोन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि की समीक्षा की और समस्त योजना में बैंक एवं विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को प्राप्त करने पर संतोष व्यक्त किया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद में कृषि ऋण वितरण में यदि किसी बैंक शाखा प्रबंधक द्वारा ऋण देने में कृषकों को परेशान किया जाता है या विचौलिए की मिली भगत की शिकायत पाये जाने पर सख्त कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। बैठक में वित्त वर्ष की वार्षिक ऋण योजना की पुस्तक का विमोचन किया गया। डीडीओ विजय कुमार यादव, अग्रणी जिला प्रबंधक शंकर चन्द्र सामंत, डीडीएम नाबार्ड लल्लन कुमार, डीसी यूनियन बैंक गौरव कुमार, डीसी एन आर एल एम ओपी सिंह, सहित जनपद के समस्त बैंकों के जिला समन्वयक सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधेड़ पर बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोप

जौनपुर। केराकत कोतवाली अंतर्गत थानागद्दी पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव में एक बगीचे में आम बीनने गई एक 11 वर्षीय बालिका के साथ 40 वर्षीय अधेड़ द्वारा डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति ने पीड़िता को मारा–पीटा तथा धमकी दिया कि अगर किसी से बता दोगी तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को जान से मार डालूंगा। केराकत पुलिस दूसरे दिन जाकर मुकदमा दर्ज करने पर तब विवस हुई जब पीड़िता के परिजन थक हारने के बाद एक अधिवक्ता को साथ लेकर कोतवाली पहुंचे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।